खबर संक्षेप

पीएम एफएमई के पोर्टल पर ऑनलाईन पंजीकरण कर लाभ उठाएं उद्यमी

मण्डला। सहायक संचालक उद्यान विभाग ने बताया कि उद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण विभाग को प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना वर्ष 2025-26 हेतु खाद्य प्रसंस्करण इकाईयाँ जैसे- कोदो कुटकी राईस, राईस मिल, आटा चक्की, गुड़, मसाला यूनिट, अचार, पापड़, चिप्स, ऑयल मिल, नमकीन उद्योग, टमाटर केचप, सॉस तथा अन्य प्राथमिक खाद्य प्रसंस्करण इकाईयों की स्थापना कराने हेतु व्यक्तिगत श्रेणी में 90 इकाई एवं समूह श्रेणी में 01 इकाई के भौतिक लक्ष्य प्राप्त हुए हैं। योजना के प्रावधान अनुसार प्रति इकाई 35 प्रतिशत अधिकतम 10 लाख रूपये तक बैंक ऋण आधारित अनुदान देय है। जिले के इच्छुक एवं खाद्य प्रसंस्करण में सम्मिलित समस्त उद्यमी, युवा बेरोजगार उपरोक्त योजना का लाभ ले सकेंगे।

प्रतिष्ठित किराना व्यवसायी रज्जन साहू का निधन

नारायणगंज। नारायणगंज के प्रतिष्ठित किराना व्यापारी श्री रज्जन साहू जी का निधन 28 जुलाई दिन सोमवार अपने निज निवास स्थान नारायणगंज में हो गया श्री रज्जन साहू 73 वर्ष के थे बहुत दिनों से उनका स्वास्थ्य ठीक नहीं था जिनका अंतिम संस्कार श्मशान घाट में किया गया 2 मिनट का मौन धारण कर मृत आत्मा को प्रभु के चरणों में स्थान देने के लिए मौन धारण किया गया।

म.प्र. में शाला एकीकरण के तहत प्राथमिक शालाओं की पद संरचना में संशोधन

अब नहीं रहेंगे शालों में अतिरिक्त शिक्षक

*** छात्रों की संख्या तय करेगी शिक्षकों की पदस्थापना।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

मध्यप्रदेश शासन के स्कूल शिक्षा विभाग, मंत्रालय वल्लभ भवन, भोपाल द्वारा दिनांक 26 जुलाई 2025 को एक संशोधित आदेश जारी किया गया है। इस आदेश में राज्य में शाला एकीकरण की प्रक्रिया के तहत प्राथमिक स्तर की शालाओं की नवीन पद संरचना स्पष्ट की गई है।

आदेश में उल्लेख किया गया है कि एक परिसर की शालाओं के एकीकरण के फलस्वरूप शालाओं का स्वरूप परिवर्तित हुआ है, जिसके चलते पदों की पुनः संरचना आवश्यक हो गई थी। इसके तहत 'संशोधित प्राथमिक शाला' शब्द का अर्थ उस शाला से है जहां कक्षा 1 से 5 तक की कक्षाएं नियमित रूप से संचालित होती हैं।

शिक्षकों की नियुक्ति संबंधी संशोधित दिशा-निर्देश इस प्रकार हैं

छात्रों की दर्ज संख्या 60 तक होने पर दो शिक्षक नियुक्त होंगे। 61 से 90 छात्रों के लिए तीन शिक्षक। 91 से 120 छात्रों के लिए चार शिक्षक। 121 से 200 छात्रों के लिए पाँच शिक्षक। यदि छात्र संख्या 150 से अधिक होती है, तो पाँच शिक्षकों के अतिरिक्त एक प्रधानाध्यापक की नियुक्ति की जाएगी। 200 से अधिक छात्र होने पर छात्र-शिक्षक अनुपात (प्रधानाध्यापक को छोड़कर) अधिकतम 1:40 रखा जाएगा। यह आदेश स्कूल शिक्षा विभाग के उप सचिव द्वारा जारी किया गया है और प्रदेश भर में शाला प्रबंधन हेतु एक नई रूपरेखा प्रस्तुत करता है। इससे शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार और शिक्षकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित होने की अपेक्षा है। अब देखना यह है कि मंडला जिले में इन दिशा निर्देशों का क्या असर पड़ता है ? विभाग से जुड़े कुछ कर्मचारियों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि मंडला के जन जातीय कार्य विभाग में वर्ष भर शिक्षकों का संलग्नीकरण और स्थानांतरण का खेल चलता रहता है।पैसा और पहुंच होना चाहिए। यही कारण है कि जिला मुख्यालय और उसके 10 किलोमीटर के दायरे में आने वाले स्कूलों में शिक्षकों की भरमार है।

मध्यप्रदेश शासन
स्कूल शिक्षा विभाग
भोपाल दिनांक 26/07/2025
//संशोधन//
प्राथमिक स्तर तक की शालाएं - प्राथमिक विद्यालय कक्षा 1 से 5 तक संशोधित
[illegible]

प्राकृतिक आपदा से हुए नुकसान के राहत प्रकरण में नहीं हो देरी-कलेक्टर

*** समय-सीमा बैठक में कलेक्टर के निर्देश।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

जिले में हुई बारिश एवं प्राकृतिक आपदा आदि से हुए नुकसानी के प्रकरण आरबीसी 6 (4) के अनुरूप राहत प्रदान करने के निर्देश कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा ने जिला योजना भवन में आयोजित समय-सीमा बैठक में संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि बाढ़ एवं अतिवृष्टि से हुई जनहानि एवं विभिन्न प्रकार की क्षतियों की रिपोर्ट डीडब्ल्यूआरएस पोर्टल पर भी दर्ज की जाए। राहत राशि के प्रकरण स्वीकृत होने पर त्वरित गति से वितरित कराये जाएं। बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्रेयांश कूमट, अपर कलेक्टर श्री अरविंद सिंह, समस्त एसडीएम तथा संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में कलेक्टर श्री मिश्रा ने जुलाई माह की सीएम हेल्पलाईन की शिकायतों एवं 50 दिवस से अधिक समय से लम्बित शिकायतों के संतुष्टिपूर्वक निराकरण किए जाने पर विशेष ध्यान देने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि जो विभाग अभी बी और सी ग्रेडिंग में हैं वे ए ग्रेडिंग में आने के लिए प्रयास करें। नॉन अटेंडेंट शिकायतें होने पर संबंधित अधिकारी पर जुर्माना अधिरोपित किया जायेगा। सीएम मॉनिट, सीएस मॉनिट एवं समाधान ऑनलाईन के चयनित विषयों पर भी चर्चा की।

निराश्रित एवं आवारा गौवंशों के सड़क पर विचरण के दौरान यातायात अवरूद्ध होता है और दुर्घटना होने से जनहानि एवं पशुहानि होने की संभावनाएं बनी रहती हैं। अतः सभी संबंधित मुख्य नगरपालिका अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि इन निराश्रित मवेशियों को हाकागैंग के माध्यम से गौशालाओं में भेजा जाए। इसके अलावा नगरीय निकायों में प्रतिदिन साफ-सफाई वाहन एवं सफाईकर्मियों द्वारा सफाई कार्य किया जाए। सड़कों पर गंदगी नहीं हो। जिले में खाद एवं उर्वरक उपलब्धता की जानकारी लेते हुए कलेक्टर श्री मिश्रा ने निर्देश दिए कि सभी एसडीएम और कृषि विभाग का अमला खाद वितरण केन्द्रों पर सतत निगरानी रखें एवं किसानों को व्यवस्थित तरीके से खाद वितरित करवाएं।

ई-ऑफिस प्रक्रिया की समीक्षा करते हुए कलेक्टर श्री मिश्रा ने कहा कि विभाग प्रमुख यह ध्यान रखें कि अगले माह से किसी भी विभाग में फाईल ऑनलाईन ही मूव होगी। विधानसभा सत्र की शुरूआत हो गई है। विभाग प्रमुख विधानसभा से संबंधित प्रश्नों के उत्तर निर्धारित समय अवधि में बगैर लेट-लतीफी के प्रस्तुत करें।

विश्व प्रकृति दिवस पर NSS के छात्र-छात्राओं द्वारा वृक्षारोपण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस 28 जुलाई को एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत शासकीय जगन्नाथ उत्कृष्ट विद्यालय मंडला की प्राचार्य श्रीमती कल्पना नामदेव द्वारा पौधारोपण किया गया इस दौरान विद्यालय स्टाफ से NSS प्रभारी प्रवीण अग्रवाल एवं NSS के छात्र-छात्राएं उपस्थित थे जिसमे विद्यालय स्टाफ के कृषि शिक्षक नाथू सिंह घोसी एवं देवेंद्र कछवाहा द्वारा बच्चों को अधिक से अधिक पेड़ लगाने के लिए प्रोत्साहित किया गया और सभी छात्र-छात्राओं को अपने घर एवं आसपास मे कम से कम पांच पेड़ लगाने एवं उनकी देख रेख करने के लिए समझाया गया। इस अवसर पर विद्यालय की प्राचार्या द्वारा छात्र-छात्राओं को बताया गया कि पेड़ लगाना बहुत बड़ी बात नहीं है किंतु उन्हें लंबे समय तक खाद पानी देना भी अनिवार्य रहता है ताकि वह बड़े होकर विश्व प्रकृति संरक्षण में अपना योगदान दे सकें और यही पेड़ पौधे हमें शुद्ध वायु प्रदान करते हैं जिससे हम स्वास्थ्य संबंधी रोगों से मुक्त होते हैं। इस दौरान विद्यालय स्टाफ से कन्हैया वरमैया, शिवम मिश्रा, नागेंद्र चौहान, रंजना पाण्डेय, साधना मैडम, मुकेश चौरसिया, दीपक नागौत्रा, विपिन लखेरा, दिलेन्द्र सिंगोर,उपस्थित थे।

कुंभेश्वर कुम्हा घाट से जगह जगह निकली कांवड़ यात्रा

*** शिव भक्ति के रंग में रंगा नारायणगंज।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला/नारायणगंज

श्रद्धा आस्था साधना का पर्व श्रवण मास में गायत्री परिवार नारायणगंज की कावड़ यात्रा भी हुई ये यात्रा कुम्हा से नारायणगंज गायत्री मंदिर तक पहुंची, 7 किलोमीटर की पैदल यात्रा में श्रद्धालु शिव भक्ति में लीन दिखाई दिए, गायत्री परिवार से सोमनाथ पटेल, ललिता ठाकुर, भागवत यादव, रोहित ठाकुर,आदि श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

भवाल क्षेत्र के युवाओं की कावड़ यात्रा, नर्मदा जल से हुआ महाकाल का हुआ जलाभिषेक

सावन मास के पवन पर्व पर जगह जगह कावड़ यात्रा निकल रही है, ऐसी ही एक कावड़ यात्रा हर साल की तरह इस साल भी भवाल श्रेत्र के युवाओं द्वारा कावड़ यात्रा निकली गई जिसमें कुंभेश्वर घाट से नर्मदा जल भार कर कुम्हा, चीरी, लीलापुर, भवाल होते हुए भू चेतना आश्रम के मंदिर में स्थापित महाकाल का हुआ पूरी पूजा विधि से हुआ नर्मदा जलाभिषेक, भूमचेतन आश्रम के पुजारी अजीत दुबे समाज सेवक दुर्गेश सिंगरोरे लोधी, रणजीत राजपूत ने किया कावड़ियों का तिलक वंदन कर स्वागत अंत में भंडारा और प्रसाद वितरण कर कार्यक्रम का समापन हुआ भवाल क्षेत्र के युवा कावड़ियों, मातृ शक्ति, मनीष दुबे, प्रदीप उइके, लवकेश झरिया, नितेश झरिया, दिव्यांश राजपूत, रणजीत राजपूत, शुभम ठाकुर, रामसिंह झरिया, जगदीश झरिया, बाबू राम झरिया, अनसुईया वरकड़े, आशय रिंकू जसवाल, ब्रजमोहन ठाकुर, राजू उईके शामिल रहे।

श्रावण मास में हनुमान नाला हनुमान मंदिर में चल रहा है अखंड रामायण पाठ, दूर-दूर से आ रहे श्रद्धालु

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला/भुआबिछिया

मंडला से बिछिया राष्ट्रीय राजमार्ग एनएच 30 पर बिछिया नगर से महज 6 किलोमीटर की दुरी पर स्थित परम सिद्ध हनुमानला धाम जहां विराज मान महावीर हनुमान जी की प्राचीन प्रतिमा विराजित हैं यह स्थान पुराने समय से एक सिद्ध स्थान माना जाता है जहां बाहर से दूर दूर से श्रद्धालु दर्शन करने ओर मनोरम स्थान का दर्शन लाभ के लिए आते है, ऐसे सिद्ध स्थान पर प्रति वर्ष श्रावण मास के पावन अवसर पर श्रीरामचरितमानस का लगातार अखंड पाठ हो रहा है, जो (जंगल में मंगल जैसा है) पूरे श्रावण मास चलेगा। इस वर्ष 11 जुलाई श्रावण मास के प्रथम दिवस से श्री हनुमान नाला धाम आश्रम समिति द्वारा आयोजित अखंड पाठ प्रारंभ है जिसका समापन 9 अगस्त 2025 शनिवार को श्रावण माह के अंतिम दिवस हवन पूजन कन्या भोज विशाल भंडारा के साथ समापन होगा। इस अवसर पर यहां भुआ बिछिया व आसपास के ग्राम के धर्मप्रेमी बंधुओं के द्वारा प्रतिदिन जंगलों के बीच हनुमान जी के दर्शन के साथ रामायण पाठ करने आ रहे हैं वहीं हर प्राकार से सहयोग कर पुण्य लाभ ले रहे हैं, प्रतिदिन दिन से लेकर रात्रि तक 24 घंटे क्षेत्र के समस्त धर्मप्रेमी बंधु आश्रम आकर रामायण का पाठ करते हैं, जिससे संपूर्ण श्रावण माह में आश्रम का भक्तिमय वातावरण बना रहता है। क्षेत्र की मातृ शक्तियां एवं वादक यंत्रों में प्रवीण श्रद्धालु जन प्रतिदिन श्री हनुमान नाला आश्रम में आकर रामायण पाठ कर रहे हैं। इसके अलावा आश्रम में कावड़ यात्री लंबी दूरी तय कर यहां आकर विश्राम करते है और भक्तिभाव से सराबोर होकर आगे की यात्रा तय करते हैं, इस तरह दूर-दूर से साधु संत महात्मा भी यहां आकर विश्राम करते हैं।

बीजेगाँव (मानेगांव) ने सखियों के साथ निकाली हरियाली यात्रा

मण्डला। पर्यावरण संरक्षण और जन जागरूकता के लिए जिले भर में विविध कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है। पर्यावरण संरक्षण के तहत हरियाली यात्रा के लिए नई पहल करते हुए ग्राम की महिलाओं को नवांकुर सखी बनाया जा रहा है। सोमवार को इसी कड़ी में नारायणगंज विकासखंड के सेक्टर क्रमांक 03 मानेगांव के मानेगांव ग्राम में हरियाली अमावस्या के शुभ अवसर पर नवांकुर संस्था ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति बीजेगाँव मानेगांव समिति द्वारा नवांकुर योजना के अंतर्गत मप्र जन अभियान परिषद जिला समन्वयक राजेंद्र चौधरी के मार्गदर्शन में हरियाली यात्रा का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना है। कार्यक्रम की शुरुआत हरियाली यात्रा रैली में कलश के साथ हुई। इसके माध्यम से पूरे गांव में प्रकृति प्रेम का संदेश दिया गया।

पर्व | जिम के दौर में भी अखाड़ों की परम्परा में पहलवानी जिंदा।

नागपंचमी कुश्ती, कौशल परम्परा का भी प्रतीक

*** लडको के साथ लड़कियां भी ले रही प्रशिक्षण।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

सैंकड़ों वर्षों से नागपंचमी का त्यौहार सिर्फ धार्मिक आस्था का नहीं, बल्कि कुश्ती कौशल और परंपरा का प्रतीक रहा है। परंतु बीते ढाई दशक में वह तस्वीर धीरे-धीरे धुंधली होती चली गई है। अलबत्ता हर नाग पंचमी पर हिंदी की वो अमर कविता जरूर याद आती है- 'चंदन चाचा के बाड़े मेंङ्घउतरे दो मल्ल अखाड़े में।' यह कविता आज भी मन को नाग की तरह सरसराती है और अखाड़े में उतरे पहलवान की माफिक जोर मारती है। जिले में करीब पन्द्रह अखाड़े हैं। इन अखाड़ों में लगभग 250 से अधिक पहलवान कुश्ती का प्रशिक्षण लेने और वर्जिश करने पहुंचते हैं। इनमें बड़ी संख्या में महिला पहलवान भी शामिल हैं।

आधुनिक दौर में जहां अपने शरीर को चुस्त दुरुस्त बनाने के लिए शहर के लोग जिम में जाकर कई घंटों तक पसीना बहा रहे हैं। वहीं अखाड़ों में वर्जिश करने का दौर आज भी मंडला के कई अखाड़ों में जारी है। अब इन अखाड़ों में लड़कियों की संख्या भी बढ़ रही है। इन अखाड़ों में महिला पहलवान भी कुश्ती के दांवपेच सीखकर अपना दमखम दिखा रही हैं।

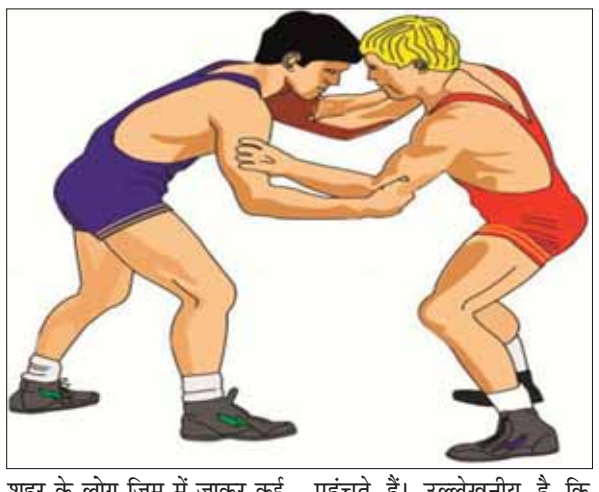

मंडला नगर में करीब चार अखाड़े हैं। इन अखाड़ों में लगभग 40 से अधिक पहलवान कुश्ती का प्रशिक्षण लेने और वर्जिश करने पहुंचते हैं। उल्लेखनीय है कि नागपंचमी के दिन पहलवानों के बीच दंगल की प्रथा का आयोजन प्राचीन वर्ष से हुआ करता था जो की 90 के दशकों तक चला परंतु विगत कुछ वर्षों में यह परंपरा में अल्पविराम सा लगा था अब व्यायाम शाला सशक्त होती जा रही हैं और आगामी समय में नाग पंचमी पर पहलवानों की ताल ठोकने की आवाज पुनः गंजी जाएगी इन अखाड़ों में नागपंचमी पर विशेष पूजा पाठ होती है।

अखाड़ों में मजबूत बनता है शरीर

लगभग 50 साल पुराने शिव व्यायाम शाला अखाड़ा (लालीपुर) के शम्मी पहलवान (मंडला शेर, मंडला केसरी टाइटल विजेता) ने बताया कि जिम में जाकर बॉडी बनाने का क्रेज युवाओं में बढ़ता जा रहा है। जिम में बनायी हुई बाड़ी जिम छोड़ने के बाद लूज हो जाती है। जबकि अखाड़ों में वर्जिश करने से शरीर कभी ढीला नहीं पड़ता। यहां पारंपरिक रूप से दंड मारना, गदा चलाना, रिंग में झूलने से शरीर में मजबूती आती है।

लगभग 70 साल पुराने धर्मशाला व्यायाम शाला रंगरेज घाट अखाड़ों के अंतरराष्ट्रीय पहलवान महादेव नंदा (रिटायर्ड मध्य प्रदेश पुलिस) ने बताया कि उनके जमाने में नाग पंचमी के पूर्वी अखाड़े के गोदे की मिट्टी औषधी का काम करती है। इसमें सरसों का तेल, दही, नींबू, हल्दी, शुद्ध घी और बहुत सी औषधियां मिली होती है, जो दवाई का काम करती है।

पहलवान मागन सोनी दुर्गा व्यायाम शाला नारायणगंज ने बताया कि नागपंचमी के दिन अखाड़ों में विशेष पूजी की जाती है। इसमें एक हफ्ते पहले अखाड़ा की मिट्टी से मंगलवार व शनिवार को पहाड़ बनाया जाता है। फिर अखाड़ा के डंबल्स, गदा समेत अन्य सामानों से श्रृंगार किया जाता है। इसमें महावीर बजरंगबली की छायाचित्र रख पूजा होती है, नागपंचमी के बाद आने वाले शनिवार व मंगलवार को उस पहाड़नुमा मिट्टी को बराबर करते हैं। फिर कुश्ती का नेग किया जाता है। आज भी इस अखाड़ा में गुरुशिष्य परंपरा है, अंदर घुसते ही उस्ताद समेत पहलवान को जय श्रीराम का उद्घोष करते हैं। वर्तमान में दुर्गा व्यायाम शाला नारायणगंज अखाड़ा में 50 से ज्यादा पहलवान है।

जिला कुश्ती संघ के मंडला भूपेन्द्र गुप्ता ने शासन एवं प्रशासन से नाग पंचमी में पुनः विद्यालय स्तर पर कुश्ती प्रारंभ करने की मांग रखी है और जिला कुश्ती संघ के माध्यम से व्यायाम शाला स्तर पर पहलवानों को प्रोत्साहित करने हेतु नाग पंचमी में दंगल आयोजित किए जा रहे हैं।

हरियाली तीज़ के अवसर पर हरे रंग के परिधान के साथ नगर की महिलाओं ने किया श्रावण माह का स्वागत,की शिव पार्वती की पूजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला/भुआबिछिया

भगवान भोलेनाथ ओर देवी पार्वती के लिए श्रावण मास का यह महीना हमारे देश में एक महत्वपूर्ण त्योहार के रूप में मनाया जाता है। इस महीने में, हरियाली अमावस्या हो या हरियाली तीज़, (स्वर्ण गोरी व्रत) जो महिलाओं का अति महत्वपूर्ण पर्व हे इस स्वर्ण गोरी व्रत पर नगर की महिलाओं ने हरे रंग की वेश भूषा सुंदर हरे परिधान धारण कर हरेली तीज़ के इस पर्व का स्वागत किया, इस अवसर पर नगर की महिलाओं के द्वारा सावन महोत्सव का आयोजन किया, कार्यक्रम की शुरुआत पूजा अर्चना से हुई, जिसमें महिलाओं ने भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा की। इसके बाद,आमंत्रित अतिथियों का स्वागत पुष्प गुच्छ एवं तिलक वंदन से स्वागत किया, वहीं मनोरंजक खेलो में छोटे छोटे गेम हरेली के मौसम के सुंदर गीत नृत्य की रंगा रंग प्रस्तुति देते हुए हरियाली महोत्सव का आनंद पूर्वक स्वागत किया, हरेली का यह उत्सव उल्लास और उमंग से सराबोर रहा। इस अवसर पर बिछिया नगर अध्यक्ष श्रीमति रजनी मरावी, अरुणा दीक्षित, रेखा दीक्षित, शशि मिश्रा, राधा झरिया, मेघा जोध, सहित ग्रुप की सभी महिलाएं ललिता मिश्रा, मीता चौबे, नीलम सोनी, नेहा सोनी, धारवी झरिया, आरती साहू, श्रेया मिश्रा, पिंकी झरिया, ज्योति कटारिया, राधा यादव, गीता साहू मुस्कान रावलनी, पूजा द्विवेदी, प्रीति रावलनी, सुनंदा जाधव सहित नगर सहित छेत्र अनेक महिलाओं ने कार्यक्रम में हिस्सा लिया और सावन महोत्सव मनाया।

खबर संक्षेप

लगातार बढ़ रही महंगाई के दौर में बेरोजगार युवा सड़कों पर भटकने हो रहे मजबूर

हरिभूमि न्यूज/ खुलरी।

नौजवानो में कुछ नया करने का जज्बा और समाज में बदलाव लाने की ताकत होती है। किन्तु जब उन्हे सम्मान,कोई काम नही मिलता है तो उम्मीदों से भरी उनकी ऑखो की चमक गायब होने लगती है और उनकी सक्रियता खत्म होने से वे परिवार पर बोझ बनने के साथ ही कुंठित होने लगते है। बदनसीबी की बात है कि शहर व क्षेत्र के गांवो में इन दिनों महॅगाई के अलावा युवाओं की बेरोजगारी की समस्या आमलोंगो को परेशान कर रही है। बताया गया है कि क्षेत्र में कालेजों से डिग्रियॉ लेने वाले हजारों युवा लम्बे अरसे से बेरोजगारी का दंश झेल रहे है। हालत यह है कि जिला रोजगार कार्यालय में वर्षो से पंजीयन कराने के बाद भी उन्हे ऐसी छोटी नौकरी भी नही मिल पा रही है,जिसके सहारे वे अपने घरो में खुशिया बिखरा सके , शहर के हालात पर यदि नजर डाली जाए तो यह सच्चाई उभरकर सामने आने लगी है कि शहरों में चलने वाले कोचिंग सेन्टरो, महाविद्यालय, स्कूलो, सायवर कैफो से किताबी, तकनीकी ज्ञान प्राप्त कर हर वर्ष हजारों की तादाद में युवा निकलते है, पर वह प्रतिभा वान होने के बावजूद उनको नौकरी की तलाश में दर दर भटकना पड़ता है, इनमें से कुछ नौजवान अनचाहा धंधा करने लगते हैं और कुछ शहरों से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में प्रायवेट शिक्षण संस्थाओं के फैले शोषण के जाल में उलझ कम तनख्वाह लेकर बच्चों को पढ़ानें लगते है और बहुत से बेरोजगार युवा ऐसे भी होते है जो बेकारी से तंग होकर मजबूरी वश ऐसे अवैध काम करने लगते है, जो उनके स्वभाव के विपरीत होते है। क्षेत्र में बेरोजगारो की संख्या में ईजाफा होने के कारण नौजवानो के भविष्य को लेकर अब क्षेत्र में चिंता की लहर दौड़ती प्रतीत हो रही है। विदित हो कि क्षेत्र में जब फैक्ट्रियॉ लगी थी, तो ऐसा लगा था कि क्षेत्र में नए रोजगार के अवसरो का सृजन होगा, लेकिन दुर्भाग्य से उक्त उपक्रमो में क्षेत्रीय नौजवानो को 25 प्रतिशत भी नौकरियॉ नसीब नही हुई? जिसका नतीजा है कि क्षेत्र में निरंतर बेरोजगार युवाओं की फौज बढ़ती रही और बेरोजगारी की समस्या ने जाटिल रूप धारण कर लिया। गौरतलब है कि आमतौर पर नौजवान स्वाभिमानी, जोशीले होते है, इसलिए बेकारी से तंग होने के बावजूद वे अपने दर्द का इजहार करने में संकोच करते है मगर इस उलट हकीकत यह रहती है कि नेता व साधन सम्पन्न बेरोजगार युवाओं को उपेक्षित करने लगते है तथा उनकी जिंदगी में कुछ नया करने की उमंग क्षीण होने लगती है, इस प्रकार से देखा जावे तो क्षेत्र में बेकार युवाओं की तादाद बढ़ते जाना सचमुच चिंताजनक बात है।

नाग देवता की पूजा से मिलती है आत्म शांति, उत्साह के साथ मनेगा पर्व

सांपों को पकड़ने व प्रदर्शन पर प्रशासन ने लगाई रोक, टोकरी में बंद करते हुये घूमने वालों पर प्रशासन की रहेगी पैनी नजर

हरिभूमि न्यूज/ बारहाबड़ा।

रजनी चौरासिया,

सीमा चौरासिया

सबिता चौरासिया

श्रीमति आभा चौरासिया

धरती को अपने शीश पर उठाये रखने वाले नाग देवता की पूजा, अर्चना का परम्परागत पर्व नागपंचमी आज मंगलवार को श्रावण मास की पंचम तिथि को शहरों के साथ साथ ग्रामीण क्षेत्रों में श्रद्वा, भाव के साथ नाग पंचमी मनाई जावेगी। इसी के चलते आज के दिन नाग देवता की पूजन करने का विशेष महत्व बताया जा रहा है। इस प्रकार से आज पड़ने वाले नाग पंचमी त्यौकार पर विशेष तौर से चौरासिया समाज द्वारा बड़े ही धूमधाम के साथ मनाते हुए नाग देवताओं की पूजन की जाती है। इसी के चलते आज नाग मंदिरों की लोगों द्वारा जहां विशेष सजावट करते हुए देखा जावेगा तथा नाग पूजन हेतु तैयारियॉं भी पूर्ण कर ली गई है। वही दूसरी ओर नागपंचमी के मौके पर अक्सर देखा जाता है कि अनेक सपेरे नाग देवता को अपनी टोकरी में बंद करके उनकान प्रदर्शन करने से नही चूकते है। इस तरह के प्रदर्शन पर शासन द्वारा पूर्णरूप से प्रतिबंध लगाने के साथ वन विभाग के अधिकारियों को निगरानी के आदेश दिये गये है। सांपों के प्रदर्शन की जानकारी मिलती है तो वन विभाग पुलिस की मदद लेते हुये सांपों को पकड़ने वालों के खिलाफ सख्त कार्यवाही करने के आदेश जारी हुये है। नाग पंचमी के अवसर पर आज गाडरवारा शहर के शासकीय चिकित्सालय रोड़ पर स्थित नाग मंदिर तथा गाडरवारा पिपरिया मार्ग पर ग्राम पनागर के पास स्थित नाग मंदिर पर जहां भक्तों का हुजूम उमडेगा। वही लोग इन नाग मंदिरों में पहुंचकर नाग देवता की पूजन कर उन्हें दूध अर्पित करते हुए उनका आर्शीवाद ग्रहण करेगे। वही चौरासिया समाज के तत्वाधान में जहां तहां विविध धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किये जावेगे तथा आज नाग पंचमी के मौके पर नाग देवता की भव्य शोभायात्रा निकाली जावेगी। ज्ञात हो कि खेतों के रक्षक माने जाने वाले नाग देवताओं के भक्त किसानों द्वारा आज नाग पंचमी की मंगल बेला में नाग देवता की पूजा व बंदना कर उनसे हमेशा कृषकों की रक्षा करने हेतु प्रार्थना की जावेगी। वही हिन्दू धर्म ग्रंथों की मान्यतायों के अनुसार नाग पंचमी पर घरों में महिलाओं द्वारा दीवारों पर नाग देवता की आकृतिया बनाकर उनकी पूजन करेंगी। आज नाग पंचमी के पावन अवसर पर ग्राम बारहाबड़ा सहित क्षेत्र के चौरासिया समाज की ओर से शेष नागों की सुगंधित पुष्प, दूध अर्पित करते हुए उनकी विधि विधान के साथ पूजन कर उनसे आज अभय का बरदान मांगा जायेगा। आज नाग पंचमी पर्व के महत्व पर हरिभूमि ने जब क्षेत्र की व धर्म में गहरी आस्था रखने वाली महिलाओं से चर्चा की गई तो उनका एक स्वर में कहना था कि नाग देवता हिन्दू देवताओं में सुमार है। कहने को तो उन्हें लोग विषधर मानते है। मगर वह कभी भी किसी को बगैर किसी कारण की कष्ट या किसी के जीवन को संकट में नही डालते है। इसलिए नागपंचमी के अवसर पर नागदेवता की पूजन करने से सभी को आत्मशांति का अहसास होता है। इस संबंध में ग्राम बारहाबड़ा निवासी श्रीमति रजनी चौरासिया का कहना है कि नाग पंचमी पर्व पर हमारा सौभाग्य है कि हम चल रहे सावन मास में भगवान शिव की आराधना करने के साथ साथ नाग देवता की पूजा, अर्चना कर दोहरा पुण्य लाभ अर्जित करेगे। मेरी ओर से हर साल नागपंचमी के पर्व पर नाग देवता की पूजन की जाती रही है। शायद यही कारण है कि नाग देवता की कृपा से मेरा जीवन सुखमय व्यतीत हो रहा है। वही ग्राम की सीमा चौरासिया का कहना है कि नाग देवता के सर्वत्र दर्शन सनातन धर्मावलंबियों को खासकर बारिश के दिनों में होते है। बाकी समय नाग देवता खेतों की उर्वरा शक्ति बढ़ाने और बरेजों में लगे हुए कोमल पत्तो की रक्षा करते हुए वहां पर विराजमान रहते है। वह अपने रूप में विकराल होने के बाद भी नागदेवता आमतौर पर अपने भक्तों को बगैर किसी कारण के कभी हानि नही पहुंचाते है।

इसी प्रकार श्रीमति सबिता चौरासिया का कहना हे कि नाग देवता भगवान शिव के गले की शोभा बढ़ाने वाले देवता होने के साथ साथ सृष्टि की रक्षा करने वाले भी माने जाते है। इस बजह से उनमें भोलेनाथ की शक्ति समाई हुई है। मेरा मानना है कि भगवान शिव के पूजन से जहां श्रद्वालुओं को काल सर्पयोग से मुक्ति मिलती है। वही नाग देवता की पूजा, अर्चना करने से उन्हें जीवन की सारी परेशानियों से छुटकरा मिल जाता है। इसलिए आज नाग पंचमी के अवसर पर हर नागरिक को नाग देवता की पूजन करना चाहिए। वही श्रीमति आभा चौरासिया का कहना है कि सनातन हिन्दू धर्म के देवी, देवाताओं के आशीष के बल पर ही संसार चल रहा है। वही नाग देवता भी हमे निर्भीक बनने का संदेश देते है। आज नाग पंचमी के अवसर पर में कई अनुष्ठान करते हुए नाग देवताओं की अक्षत, सुगंधित फूलों से पूजन आरती करती हूं, जिससे मुझे सुख, शांति मिलती है। मुझे विश्वास है कि नाग देवता की कृपा से हमारे घर में समृद्वि के दर्शन हो रहे है और नाग देवता सदा ही अपनी रक्षा में कोई कसर नही छोड़ते है।

शिवजी के प्रिय सावन माह के तीसरे सोमवार को नर्मदाजी के ककराघाट से निकाली गई भव्य कांवड़ यात्राओं के चलते शिवमय हुआ शहर

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

चल रहे सावन माह के चलते जहां नगर सहित क्षेत्र के गांवों में लगातार अनेक प्रकार के धार्मिक कार्यक्रमों की धूम मची हुई देखी जा रही है। मगर कल सावन मास के तीसरे सोमवार होने के चलते शिव मंदिरों में भक्तों का जन सैलाब उमड़ते हुये देखा गया, जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो नगर में आस्था का केन्द्र माने जाने वाले शिवधाम डमरूघाटी पर कल सावन मास के तीसरा सोमवार होने के कारण मेंला जैसा महौल निर्मित नही चूक रहा था। यह बात अलग है कि इस वर्ष सावन मास के दौरान कुल 4 सोमवार होने के चलते तीसरा सोमवार महत्वपूर्ण माना गया। क्योंकि अब मात्र एक सोमवार ही शेष बचा है। इसी के चलते जहां चारो ओर धार्मिक कार्यक्रमों की धूम बची हुई देखी जा रही है। सावन मास के तीसरे सोमवार को शिव भक्तों द्वारा समीपस्थ माँ नर्मदाजी के ककरा घाट से भव्य काबड़ यात्रा निकाली जिसमें शामिल माँ नर्मदा के भक्त संत मुनी के दर्शन पाने के लिये लोगों का हुजुम लगते हुये देखा गया। नगर के शिव भक्तों द्वारा अपनी काबड़ यात्रा के नाम से निकली गई काबड़ यात्रा में जहां सैकड़ो की संख्या में महिला पुरूष व बच्चें शामिल थें। सभी वक्तों द्वारा नर्मदा जल से शिवजी का अभिषेख किया गया। इस प्रकार सुबह सात बजे नर्मदाजी का पूजन अपरात ककरा घाट से शुरू हुई जिसमें शामिल शिव भक्त शिवजी का जयघोष लगाते हुये चल रहे थें इस काबड़ यात्रा का जगह जगह स्वागत किया गया। इस काबड़ यात्रा में समीपस्थ तेदूखेड़ा क्षेत्र के विधायक विश्वनाथ सिंह पटैल, पूर्व राज्य मंत्री जालम सिंह पटैल, भाजपा जिला अध्यक्ष राम स्नेही पाठक के आलवा अनेक संत मुनि शामिल थें। यह काबड़ यात्रा ककरा घाट से शुरू होने के बाद गाडरवारा पहुंचकर नदी मुहल्ला स्थित शिव मंदिर पर शिवजी का अभिषेख के साथ समापन हुआ। वैसे भी देखा जावे तो शिवधाम डमरूघाटी सिर्फ नगरवासियों के लिये ही नही बल्कि संपूर्ण क्षेत्र के लोगों के लिये आस्था का केन्द्र माना जाता है। इसी के चलते प्रतिवर्ष सावन मास में यहां पर लोगों की भीड़ उमड़ते हुये देखी जाती है। इसी के चलते कल सावन मास के तीसरे सोमवार को डमरूघाटी पर भक्तों का हुजूम उमड़ते हुये देखा गया। इस प्रकार शिव भक्ति के लिये प्रिय माने जाने वाले साबन मास का तीसरा सोमवार निश्चित ही शिव भक्तों के लिये विशेष रहा। वही दूसरी ओर मौसम खुशनुमा रहने के कारण कल सावन मास के तीसरे सोमवार को शिवधाम डमरूघाटी में शिवभक्तों का मेला लगा रहा जिसके चलते स्थिति इस तरह से बनी हुई थी की मुख्य मार्ग पर जाम की स्थिति पैदा होते हुये देखी गई। वही दूसरी ओर इस समय नगर सहित संपूर्ण क्षेत्र में देखा जा रहा है कि सावन मास की शुभ बेला मे जहां अनेक जगहों पर रामायण पाठ, श्रीमद भागवत, शिव पुराण, रामसत्ता, शिव रूद्री निर्माण सहित अनेक कार्यक्रम आयोजित होते हुये देखे जा रहे है। सावन मास का सोमवार होने के कारण शिवभक्तों को भगवान भोले शंकर की भक्ति में लीन होकर उन्हें अलग ही रूप में आराधना करते हुये देखे जा रहे है। नगर के प्रमुख माने जाने वाले शिव मंदिरों में विजय कालोनी शिव मंदिर, नर्मदा कालोनी शिव मंदिर, सिंचाई विभाग कार्यालय के पास स्थित शिव मंदिर, समीपस्थ पौड़ार स्थित शिव मंदिरों में विशेष रूप से शिव अभिषेख कार्यक्रमों आयोजित हुये। जहां पर शिव भक्त पूर्णरूप से शिव भक्ति में लीन होकर नगर सहित संपूर्ण क्षेत्र की रक्षा के लिये भगवान भोलेनाथ से आर्शीवाद मांगा।

भवन के साथ संसाधनों के लिए स्कूल शिक्षा विभाग प्रदान की गई क्षेत्र में 9 करोड़ 54 लाख की राशि, शिक्षण संस्थाओं की बदल जावेगी सूरत

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

शासकीय शिक्षण संस्थाओं में अध्ययन करने वाले छात्र छात्राओं की सुविधाओं सहित भवनों के सुधार को लेकर क्षेत्र के विधायक प प्रदेश के शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप द्वारा लगातार सौगाते प्रदान करने में कोई कसर नही छोड़ते है। कुछ इसी प्रकार से मध्य प्रदेश के स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा मध्य प्रदेश के स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह के निर्देश पर नरसिंहपुर जिले में विभिन्न विद्यालयों की उन्नयन एवं आवश्यक संसाधनों के लिये 9 करोड़ 54 लाख की राशि स्वीकृत करते हुये बड़ी सौगात प्रदान कीग गई है। बताया जाता है कि जिले में स्कूल शिक्षा विभाग के अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय एवं हाई स्कूलों में अतिरिक्त कक्ष, प्रयोग शाला, सिविल कार्य, कूलर, ग्रीन बोर्ड, कैमरा, विद्यार्थी तथा शिक्षकों हेतु फर्नीचर, इंटरेक्टिव पैनल आदि विविध कार्यों के लिए स्वीकृत की गई राशि के अंतर्गत विधानसभा क्षेत्र गाडरवारा की हाईस्कूल बड़ागांव में 5 अतिरिक्त कक्ष, 1 लैब हेतु 98.06 लाख रुपए व हाईस्कूल प्रेमपुर में 3 अतिरिक्त कक्ष, 1 लैब हेतु 68.67 लाख तथा हाईस्कूल मालनवाड़ा इकलोनी में 3 अतिरिक्त कक्षा, 1 लैब हेतु 68.67 लाख तो हाईस्कूल निवारी में 1 अतिरिक्त कक्ष, 1 लैब हेतु 38.94 लाख, हायर सेकेंडरी स्कूल मिडवानी में 1 अतिरिक्त कक्ष, 3 लैब हेतु 63.09 लाख, 3 लैब हेतु 63.09 लाख, हाईस्कूल झाझनखेड़ा में 3 अतिरिक्त कक्ष, 1 लैब हेतु 68.67 लाख, हायर सेकेंडरी स्कूल आड़ेगांव में 1 अतिरिक्त कक्ष, 3 लैब हेतु 63.09 लाख, हाईस्कूल सिरसिरी में 2 अतिरिक्त कक्ष, 1 लैब हेतु 53.1 लाख, हाई स्कूल पनागर में 1 अतिरिक्त कक्ष, 1 लैब हेतु 38.94 लाख, हायर सेकेंडरी स्कूल बसुरिया में 2 अतिरिक्त कक्ष हेतु 34.55 लाख की राशि प्रदान की गई है। इसी प्रकार से नरसिंहपुर विधानसभा के अंतर्गत हायर सेकेंडरी स्कूल नयाखेड़ा बांसादेही में दो अतिरिक्ष कक्ष, तीन लैब हेतु 77.25 लाख तथा तेंदूखेड़ा विधानसभा के अंतर्गत हायर सेकेंडरी स्कूल देवरी राजमार्ग में एक अतिरिक्त कक्ष, 3 लैब हेतु 63.09 लाख, हायर सेकेंडरी स्कूल डोभी में 2 अतिरिक्त कक्ष हेतु 34.55 लाख , हायर सेकेंडरी स्कूल चीकसा में 63 लाख , गोटेगांव विधानसभा के अंतर्गत हायर सेकेंडरी स्कूल भैंसा पाला में 1 अतिरिक्त कक्ष, 3 लैब हेतु 63.09 लाख, हाई स्कूल खापा (शेर) में 1 अतिरिक्त कक्ष, 1 लैब हेतु 38.94 लाख, हाई स्कूल डुडवारा 18.50 लाख की राशि स्वीकृत की गई है।

नगर सहित गांव गांव शिव मंदिरों में आयोजित होते हुये देखे गये धार्मिक कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज/चीचली।

इस समय चल रहे सावन मास के चलते जहां चारों ओर धार्मिक कार्यक्रमो की धूम मची हुई देखी जा रही है। वही दूसरी ओर शहर से लेकर गांव गांव रामायण की चौपाईयों की गूंज हमार सनातन धर्म की सच्चाई को उल्लेखित करने में कोई कसर नही छोड़ रही है। वही दूसरी ओर कल सोमवार यानि की सावन मास के तीसरे सोमवार को शहरों के साथ साथ ग्रामीण क्षेत्रों के शिव मंदिरों से लेकर लोगों के घरों में शिव अभिषेक होते हुये देखा गया। शिवजी की आराधना में जहां लोग पूर्णरूप से लीन होकर रह गये है। क्योंकि माँ गंगाजी को अपनी जटाओं में रखने वाले भगवान शंकर जी भक्तों की जरा सी आराधना पर प्रसन्न हो जाते है और यह बात भगवान श्रीरामचंद्र जी ने भी कही है कि जब तक कोई मानव भगवान शिवजी की आराधना नही करता है तब तक भगवान श्रीरामजी के नजदीक नही पहुंच पाता है। क्योंकि भोलेनाथ भक्तों को

संकट को जरा सी आराधना के उपरांत ही हरण करने से नही चूकते है। इसी के चलते प्रतिवर्ष देखा जाता है कि साबन मास में लोग भगवान शिव शंकर की भक्ति में लीन होने से नही चूकते है। क्योंकि जो शिवजी की आराधना करता है उसकी मनोकामना पूर्ण होने में देरी नही लगती है। वही इस बात का उल्लेख धर्म शास्त्रों में भी है कि जो अविवाहित युवती सच्चे मन से भगवान शिवजी व माता पार्वतीजी की आराधना करती है उसको मन माफिक वर मिलने में देर रही लगती है तथा जो सुहागिन महिलाएं व्रत धारण करते हुये नीलकंठ शिवजी की आराधना में लिप्त रहती है उनका सुहाग सदा अमर रहता है। इसी का परिणाम है कि हर वर्ष महिलाओं को भी साबन मास के दौरान शिवजी की आराधना में लीन देखा जा रहा है। इसी के चलते नगर में अनेक मंदिरों में शिवजी की पूजन करने के लिये महिलाओं की भीड़ देखने मिली तो दूसर ओर अनेक जगहों पर लोगों द्वारा मंदिर सहित अपने घरों के अंदर शिवलिंगों का निर्माण करते हुये उनका अभिषेक किया गया।

गायत्री परिवार द्वारा युवाओं के लिये आयोजित किया तहसील स्तरीय प्रशिक्षण शिविर

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार द्वारा संचालित श्रद्धा कौशल विकास उन्नयन को लेकर तहसील स्तरीय प्रशिक्षण आयोजित किए जा रहे हैं। इसी के चलते बीते हुये दिवस स्थानीय गायत्री शक्तिपीठ में भी एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। बताया जाता है कि यह प्रशिक्षण सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक चला। इस शिविर में 15 वर्ष से अधिक उम्र के 64 युवा छात्र छात्राओं ने भाग लिया। सभी सहभागियों को प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गये। प्रशिक्षण का प्रारंभ जिला समन्वयक अविनाश बेलाकर, मुख्य ट्रस्टी आर पी सिंह, वरिष्ठ परिजन जगदीश दुबे, डॉ राजेन्द्र दुबे द्वारा गायत्री पूजन के साथ दीप प्रज्वलित कर किया गया। प्रशिक्षण के मुख्य बिंदुओं में आध्यात्म का बैज्ञानिक पक्ष, जीवन प्रबन्धन, पात्रता का विकास, सोशल मीडिया के गुण दोष उपयोग, गायत्री परिवार के सप्त सूत्रीय कार्य, युवाओं की भूमिका तथा अपना सुधार ही सबसे बड़ी साधना समाहित थे। प्रशिक्षक के रूप में आचार्य थम्मन सिंह शर्मा नरसिंहपुर, वृन्दावन पटेल तेन्दूखेडा, राम नारायण कौरव करेली, प्रीतम पटेल लखनादौन, मुकेश पटेल चिनकी,आनंद कौशल शांतिकुंज एवं श्रीमती मनोरमा श्रीवास्तव गाडरवारा ने अपने अपने कालखंड अनुसार विषयों को बहुत ही सरल सहज तरीके से प्रतिपादित किया गया। वही प्रशिक्षार्थियों द्वारा स्वयं के दोष दुर्गुण पहचानते हुए उनमें सुधार के उपाय आत्म चिंतन,आत्म संकल्प से करने में रुचि दिखाई। प्रश्न मंच के माध्यम से गायत्री साधना, गायत्री मंत्र, गायत्री परिवार पर प्रश्न पूछकर शंकाओं का समाधान किया गया। इस अवसर पर पी एस सी परीक्षा में सफलता प्राप्त शुभांक गुप्ता को सम्मानित किया गया। इस दौरान उनके द्वारा प्रशिक्षार्थी को बताया गया कि वह सरस्वती शिशु मंदिर से पढ़े हैं साथ ही उनके माता पिता गायत्री परिवार से जुड़े हैं, जिस कारण अखंड ज्योति पत्रिका के स्वाध्याय से बहुत कुछ सीखा हूँ। आप सभी स्वाध्याय को महत्व देना सीखें।प्रशिक्षण का संचालन सेवानिवृत्त शिक्षक राजेश कुमार कौरव द्वारा तथा आभार प्रदर्शन विनोद श्रीवास्तव ने किया। प्रशिक्षण को रुचिकर बनाने कालखंड अंतराल पर परिव्राजक मूलचंद पटेल, प्रीति पटेल तथा केशव पचौरी द्वारा प्रेरक प्रज्ञा गीत प्रस्तुत किए। प्रशिक्षार्थियों के पंजीयन से लेकर सामग्री उपलब्धता में रतन सिंह राजपूत, गीता प्रसाद कौरव, गोविन्द कौरव, अखिलेश शर्मा की पहल सराहनीय थी। कार्यक्रम में युवा प्रशिक्षार्थियों , स्थानीय सदस्यों के अलावा सालेचौका, आमगांव छोटा,सिंहपुर छोटा, आडेगांव खुर्द, ढुरसुरू, बगलई, सिंहपुर छोटा, दिधोरी, चिरहकला, सडूमर, कोडिया, ढिलवार, साईखेडा से अनेक परिजनों से शामिल होकर इसका शिविर का लाभ लिया।

शहीद नगरी चीचली जनपद के सामने बढ़ रहा अतिक्रमण, शुरूआती दोर को नजरअंदाज करना बढ़ाता है हौसले

हरिभूमि न्यूज/चीचली। शासकीय भूमियों पर होने वाली अतिक्रमण को जिस तरह जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा शुरूआती दौर में नजर अंदाज किया जाता है। यह सच्चाई निश्चित तौर से अतिक्रमणकारियों के हौसलों को बुलंद करने से नही चूकती है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय शहीद नगरी चीचली जनपद कार्यालय के सामने मुख्य मार्ग पर लगातार हो रहे अतिक्रमण के रूप में देखने मिल रही है। जनपद कार्यालय के ठीक सामने मुख्य मार्ग के किनारे खाली पड़ी शासकीय भूमि पर दिनों दिन अतिक्रमण इस गति से हो रही है कि मानों अतिक्रमण कारियों के बीच होड़ लग चुकी है कि यदि तूने दस फिट का टपना जमाया है तो मै उससे डबल टपरा जमाऊगा और देखते ही देखते यहां पर प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बनने वाले आवासों के समान टपरे स्थापित होते चले जा रहे है। इस तरह शासकीय कार्यालय के सामने व मुख्य मार्ग के किनारे पनप रहा यह अतिक्रमण जहां यातायात के लिये बाधक साबित होने से नही चूकेगा तो दूसरी ओर आसाजिक तत्वों का बोलबाला स्थापित होने की संभावना से भी इंकार नही किया जा सकता है..? मगर लोग हैरत में तो इस सच्चाई को देखते हुये पढ़ने से नही चूक पा रहे है कि इस मार्ग से जहां सुबह शाम यहां पर तहसीलदार सहित राजस्व विभाग के अन्य अधिकारियों का निकलना होता रहता है। वही दूसरी ओर नगर पालिका अधिकारी भी इसी मार्ग से निकलते हुये देखे जाते है। इतना ही नही जनपद कार्यालय के जिम्मेदार अधिकारी इस सच्चाई को अपनी आंखों से देखने के बाद भी इस अतिक्रमण की शुरूआत को जिस तरह नजर अंदाज करते हुये देखे जा रहा है उससे यह प्रतीत होने से नही चूक पा रहा है कि मानों अतिक्रमणकारियों के लिये इनके द्वारा खुलेआम छूट प्रदान करते हुये कोई प्रतियोगिता की जा रही हो कि जो जितना बड़ा अतिक्रमण करेगा उसे पुरूस्कार प्रदान किया जावेगा...? इस तरह अतिक्रमण की शुरूआती दोर को नजर अंदाज किये जाने का परिणाम ही अतिक्रमण कारियों के हौसलों को बुलंद करने से नही चूकता है..?

मनमानी राशि के बिजली बिल आने से उपभोक्ता परेशान, मीटर की रीडिंग में की जा रही कोताही

हरिभूमि न्यूज/चीचली। जहां एक ओर सरकार द्वारा शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों चल रही बारिश के बीच सरकार द्वारा पूरी मदद करने का भरोसा तो दिलाया जा रहा है। मगर भर बसकारे में बिजली बिल निश्चित तौर से गरीबों के लिये करेन्ट मारने से नही चूक रहे है। विद्युत उपभोक्ताओं को प्राप्त होने वाले बिजली बिलों हकीकत यह है कि वर्तमान में बिजली का सही उपयोग कर नियमित बिजली के बिल की राशि देने वालो की उलझने बढ़ गयी। क्योकि उन्हे विद्युत वितरण कंपनी मनमानी राशि के बिजली बिल देकर गहरा झटका दे रही है। अनाप शनाप बिजली के बिल ऐसा नही है कि चन्द विद्युत उपभोक्ताओं को ही मिल रहे है। बल्कि सच यह है कि अधिकतर गरीबो को भी भारी भरकम राशि के बिजली के बिल थमाकर उन्हे दिन में तारे देखने के लिए मजबूर किया जा रहा है..? विद्युत उपभोक्ताओं की शिकायत है कि बिजली विभाग ने उनके घरों के बाहर बिजली के मीटर भले ही पूर्व में लगा दिए है पर कथित तौर पर इन मीटरो की रीडिंग में गफलत की जा रही है, जिसके कारण हर माह उनके बिजली के बिल इतनी अधिक राशि के आ रहे है। जिन्हे चुकाना इस समय चल रही भीषण महॅगाई के दौर में मुश्किल हो रहा है..? गरीब परिस्थिति के विद्युत उपभोक्ताओं की मानें तो उनके घरो में फ्रिज, टी. वी., कूलर, वाशिंग मशीन न होने के बावजूद उनको हर माह औसत से अधिक राशि के बिजली के बिल दिए जा रहे है। यहां तक कि जो गरीब अपने घरो में रोज रात में 1-2 बल्ब जलाते है, उन्हे भी अमीर व्यापारियों तर्ज पर मनमानी राशि के बिजली के बिल देकर परेशान किया जा रहा है..? विद्युत उपभोक्ताओं का कहना है कि विद्युत वितरण कंपनी को हमारे हित से कोई सरोकार नही रह गया है और बिजली के बिलो में सुधार कराने उक्त कंपनी के कार्यालय में जाने पर उसके बाबुओ का जो जवाब मिलता है तो वह संतोष जनक नही होता तथा लगातार गुहार लगाने के बाद भी उनके बिजली बिलो में सुधार नही किया जाता, जिससे मजबूर विद्युत उपभोक्ताओं को हर माह मनमाने बिजली बिल की राशि जमा करने मजबूर होना पड़ता है। गौरतलब है कि विद्युत वितरण कम्पनी द्वारा विद्युत उपभोक्ताओं को करेंट मारने वाले बिजली के बिलो के वितरण का सिलसिला लम्बे अरसे से चल रहा है। भारी भरकम राशि के बिजली बिलो की अदायगी की पीड़ा जैसे तैसे सम्पन्न विद्युत उपभोक्ता भोग ही लेते है। लेकिन जो गरीब उपभोक्ता बिजली का सीमित उपयोग कर रहे है उन्हे कर्ज लेकर बिजली के बिल जामा करने विवश होना पड़ता है।

खबर संक्षेप

राजस्व अधिकारियों की बैठक सम्पन्न, लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के निर्देश

डिंडौरी। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में सोमवार को कलेक्टर नेहा मारव्या की अध्यक्षता में राजस्व अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में डिंडौरी, शहपुरा और बजाग के एसडीएम, डिप्टी कलेक्टर, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे। बैठक में कलेक्टर ने विभिन्न राजस्व कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, फौतीनामा, अभिलेख दुरुस्ती, राजस्व वसूली एवं न्यायालयीन प्रकरणों का शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि जनता को समय पर राजस्व सेवाएं उपलब्ध कराना प्राथमिकता होनी चाहिए। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि भू-अभिलेख अद्यतन रखने, नक्शा एवं खसरे की जानकारी को ऑनलाइन प्रणाली में समय से दर्ज करने में लापरवाही न की जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बैठक में भूमि अर्जन मामलों, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के सत्यापन, फसल गिरदावरी, आवेदन पोर्टल की स्थिति तथा आपदा राहत वितरण की स्थिति की भी विस्तार से समीक्षा की गई। कलेक्टर ने कहा कि सभी राजस्व प्रकरणों का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित किया जाए जिससे आम नागरिकों को अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े। उन्होंने आगामी समय में विशेष अभियान चलाकर सभी राजस्व रिकॉर्ड अद्यतन करने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए।

शासकीय कृषि प्रक्षेत्रों और समितियों का आकस्मिक निरीक्षण

डिंडौरी।उपसंचालक कृषि एवं परियोजना संचालक (आत्मा) द्वारा जिले के शासकीय कृषि प्रक्षेत्रों, सहकारी समितियों और संबंधित संस्थानों का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की गई तथा अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए।

धान एवं कोदो बीज उत्पादन कार्यक्रम का अवलोकन- शासकीय कृषि प्रक्षेत्र डिंडौरी में चल रहे धान एवं कोदो के आधार बीज उत्पादन कार्यक्रम का निरीक्षण करते हुए प्रक्षेत्र अधीक्षक को नींदा (खरपतवार) नियंत्रण और जैव उर्वरकों के उचित उपयोग के निर्देश दिए गए। कृषि विस्तार एवं प्रशिक्षण केंद्र में आईटी लैब को शीघ्र सुधार कर पुनः चालू करने हेतु वरिष्ठालय को प्रस्ताव भेजने की बात कही गई।

बीज एवं फार्म विकास निगम डिंडौरी के कार्यालय और गोदाम का निरीक्षण करते हुए भंडारित प्रमाणित बीजों के सुरक्षित रख-रखाव और वितरण प्रक्रिया को नियमानुसार सुनिश्चित करने के

शिवभक्ति और प्राकृतिक सौंदर्य का संगम: नेवसा जल प्रपात

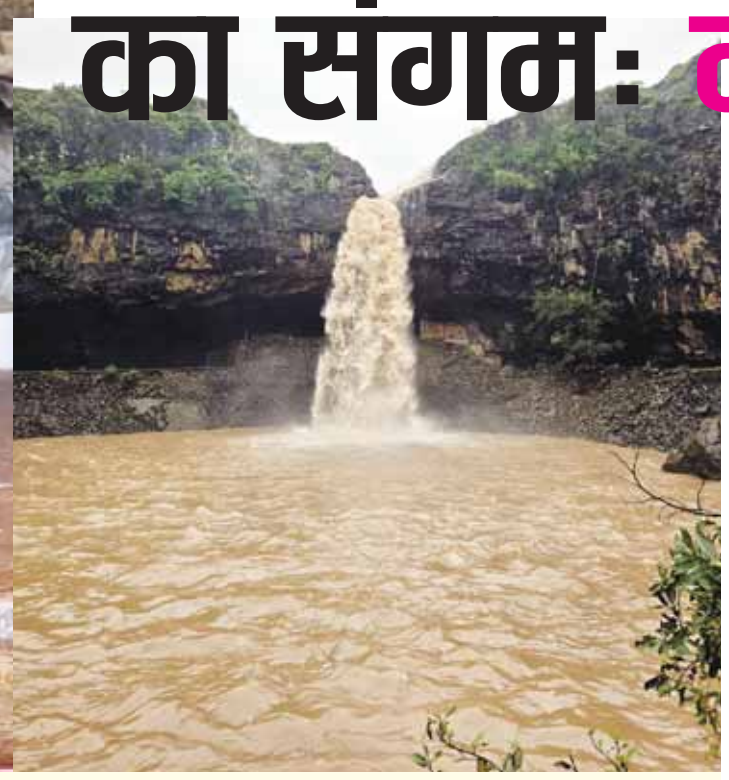

जिले की प्राकृतिक धरोहरों में शुमार नेवसा जलप्रपात इन दिनों अपने पूरे यौवन पर है। सावन के पावन माह में जैसे ही मेघों ने रिमझिम बरसना शुरू किया, यह जलप्रपात जीवन से भर उठा है और बड़ी संख्या में पर्यटक व श्रद्धालु इसकी ओर खिंचे चले आ रहे हैं।

हरिभूमि न्यूज, डिंडोरी ।

जिला मुख्यालय से महज 15 किलोमीटर दूर नेवसा गाँव में स्थित यह जलप्रपात न केवल प्राकृतिक सौंदर्य का प्रतीक है, बल्कि धार्मिक आस्था का केंद्र भी बनता जा रहा है। जो वर्षा ऋतु में अपना भव्य रूप धारण कर लेते हैं।

प्रथम जलप्रपात- गाँव से थोड़ी दूरी पर स्थित है। यद्यपि यह आकार में छोटा है और यहाँ तक पहुँचना कठिन है, फिर भी कुछ साहसी पर्यटक इसकी गोद में सुकून तलाशने पहुँच जाते हैं।

मुख्य जलप्रपात- जिसे नेवसा का दूसरा जलप्रपात भी कहा जाता है, लगभग 80 फीट की ऊँचाई से गिरते पानी के साथ अत्यंत मनोहारी दृश्य प्रस्तुत करता है। इसके नीचे प्राकृतिक रूप से बना एक तालाब है, जिसकी गहराई इसे और रहस्यमयी बनाती है। यहीं एक विशाल गुफा भी स्थित है, जिसमें स्थापित शिवलिंग सावन में आस्था का केंद्र बन जाता है। गुफा के अंदर से झरने का दृश्य अत्यंत दर्शनीय होता है। शिवलिंग के पीछे स्थित एक छोटा जलकुंड पूरे वर्ष जल से भरा रहता है।

तीसरा जलप्रपात- जो पास ही के एक अन्य नाले में स्थित है, भी लगभग 80-90 फीट ऊँचाई से गिरता है। यहाँ पहुँचने के लिए पर्यटकों को नाला पार करना पड़ता है। इस जलप्रपात के पास भी एक गहरी और रहस्यमयी गुफा है, जो रोमांच प्रेमियों के लिए आकर्षण का केंद्र है।

प्रशासन द्वारा इन जलप्रपातों को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की योजना पर कार्य किया जा रहा है, जिससे वर्ष भर इनका आनंद लिया जा सके। गर्मी के मौसम में भले ही यहाँ पानी कम हो जाता है, लेकिन वर्षा और ठंड के मौसम में यह स्थान जीवन्त हो उठता है।

सावन में आस्था का संगम

इन दिनों सावन की शुरुआत के साथ यहाँ श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। कांवड़ लेकर पहुंचे भक्त शिवलिंग का जलाभिषेक कर पुण्य लाभ अर्जित कर रहे हैं। यह स्थान अब केवल प्राकृतिक प्रेमियों के लिए नहीं, बल्कि धार्मिक पर्यटन का भी एक महत्वपूर्ण केंद्र बन चुका है।

टिकरा टोला में पुलिया निर्माण न होने से नाला पार कर स्कूल जा रहे विद्यार्थी

डिंडौरी न्यूज।

समनापुर जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत खाम्हा के टिकरा टोला के नाले आज तक पुलिया निर्माण न होने से ग्रामीणों सहित स्कूली बच्चों को उफनाते नाले को पार कर निस्तार करना पड़ रहा है।

ग्रामीणों ने अनेकों बार जिम्मेदारों से पुलिया निर्माण की मांग की है लेकिन आज तक किसी ने ध्यान नहीं दिया, जिसके चलते बच्चों को आज भी नाला पार कर स्कूल जाना पड़ रहा है। टिकरा टोला में करीब 600 मतदाता रहते हैं, जो गांव की कुल आबादी का बड़ा हिस्सा हैं।

स्थानीय लोगों ने बताया कि यहां के बच्चे रोजाना जान जोखिम में डालकर नाला पार करते हैं। कई बार तो छोटे बच्चों को परिजन हाथ पकड़कर नाला पार कराते हैं ताकि कोई हादसा न हो। बारिश के दिनों में स्थिति और भी भयावह हो जाती है, तब नाले में पानी बढ़ने से स्कूल जाना बेहद मुश्किल हो जाता है।

ग्रामीणों ने बताया कि इस समस्या को दूर करने के लिए क्षेत्रीय विधायक ओमकार मरकाम ने एक बार यहां पुलिया निर्माण के लिए भूमि पूजन भी किया था, लेकिन वर्षों बीत जाने के बाद भी काम शुरू नहीं हो सका। हालात आज भी वैसे के वैसे हैं। ग्रामीणों ने मांग की है कि जल्द से जल्द टिकरा टोला को मुख्य गांव से जोड़ने के लिए पक्की पुलिया या रास्ता बनाया जाए ताकि स्कूली बच्चों और ग्रामीणों को राहत मिल सके और किसी बड़ी दुर्घटना की आशंका न रहे।

जिले में नशा मुक्ति अभियान के तहत व्यापक जनजागरूकता छात्रों, व्यापारियों व नागरिकों को दिया गया सकारात्मक संदेश

डिण्डौरी ।

जिले में पुलिस विभाग द्वारा नशा मुक्ति अभियान के तहत जन-जागरूकता कार्यक्रमों की श्रृंखला चलाई गई। इस अभियान का उद्देश्य समाज में फैल रहे नशे की प्रवृत्ति पर रोक लगाना, नागरिकों को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराना तथा बच्चों, युवाओं व व्यापारियों को नशा मुक्त जीवन के लिए प्रेरित करना था।

प्रमुख गतिविधियाँ

डिण्डौरी नगर में थाना प्रभारी यातायात श्री सुभाष उईके, प्रभारी रक्षित निरीक्षक श्री कुंवर सिंह एवं पुलिस स्टाफ द्वारा नगर के दुकानदारों एवं व्यापारियों को पंपलेट वितरित किए गए तथा पौधे भेंट कर नशा से दूर रहने का संदेश दिया गया। थाना मेहंदवानी में आम नागरिकों को "नशे से दूरी है जरूरी", "नशे से जीवन होता है बर्बाद" जैसे स्लोगनों के माध्यम से नशे से होने वाले दुष्प्रभावों की जानकारी दी गई और समझाइश कार्यक्रम आयोजित किया गया। थाना बजाग के अंतर्गत मॉडल स्कूल पंडरिया डोंगरी में छात्रों को जागरूक किया गया और नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई। थाना करंजिया क्षेत्र के मॉडल स्कूल करंजिया में चित्रकला, स्लोगन एवं निबंध लेखन प्रतियोगिता कराई गई। साथ ही रैली निकालकर जन जागरूकता फैलाई गई एवं सभी प्रतिभागियों को नशा मुक्त जीवन जीने की शपथ दिलाई गई। इस कार्यक्रम में लगभग 400 से 500 छात्र-छात्राएं एवं शिक्षकगण उपस्थित रहे। चौकी अमरपुर में बाल विकास मंदिर हाई स्कूल अमरपुर में "नशा से दूरी है जरूरी" विषयक कार्यक्रम आयोजित किया गया। थाना गाड़ासरई द्वारा गाड़ासरई डिपो में मजदूरों को नशे के खिलाफ जानकारी देकर उन्हें नशा छोड़ने हेतु प्रेरित किया गया। थाना शहपुरा से उनि0 मनीराम मरावी एवं उनके स्टाफ द्वारा कस्बा शहपुरा में नशा मुक्ति अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें "नशे से दूरी है जरूरी" का संकल्प दिलाया गया। इस अवसर पर लगभग 60 से 70 महिला, पुरुष एवं बच्चे उपस्थित रहे। डिण्डौरी जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में आयोजित इन अभियानों ने समाज में नशे के विरुद्ध जन-जागरूकता की लहर चलाई है। पुलिस विभाग का यह प्रयास निश्चित रूप से नागरिकों को नशा मुक्त जीवन अपनाने की ओर प्रेरित करेगा और एक स्वस्थ, सुरक्षित एवं जागरूक समाज के निर्माण में सहायक सिद्ध होगा।

समय-सीमा बैठक सम्पन्न: जनहित के कार्यों में लापरवाही पर सख्ती के निर्देश

कलेक्टर नेहा मारव्या ने अधिकारियों को दिए निर्देश, विकास कार्यों में तेजी लाने पर दिया जोर

डिंडौरी। कलेक्ट्रेट सभागार में सोमवार को आयोजित समय-सीमा बैठक में कलेक्टर नेहा मारव्या ने जिले के सभी विभागीय अधिकारियों के साथ लंबित प्रकरणों और जनहित से जुड़ी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। बैठक के दौरान कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जनहित के कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी लंबित मामलों का समयबद्ध समाधान किया जाए ताकि योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समय पर पहुँच सके। बैठक में अवैध परिवहन और मादक पदार्थों की रोकथाम पर विशेष चर्चा की गई। चेक पोस्टों की प्रभावशीलता की समीक्षा करते हुए निगरानी और सख्ती बढ़ाने के निर्देश दिए गए। खनिज विभाग से अवैध खनन पर हुई कार्रवाई की जानकारी ली गई। ई-केवाईसी, समग्र आईडी, पेंशन, बीज-खाद वितरण से संबंधित लंबित मामलों की शीघ्र पूर्ति के निर्देश दिए गए। राजस्व और वन अधिकार पत्रकों से जुड़े मामलों की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने जिला शिक्षा अधिकारी, डीपीसी और सभी अनुविभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि शालाओं में छात्र-छात्राओं के प्रवेश को प्राथमिकता दी जाएताकि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे। उन्होंने जनजाति कार्य विभाग के सहायक आयुक्त और जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए कि पुराने भवनों की जगह नवीन भवनों में कक्षाएं संचालित कराई जाएं।

सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों को नोटिस जारी करने के निर्देश देते हुए कलेक्टर ने कहा कि समय-सीमा में निराकरण न करने वाले अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। पीडब्ल्यूडी एसडीओ और परिवहन अधिकारी को सीएम हेल्पलाइन पर भ्रमित व असंतोषजनक जवाब देने पर भी नोटिस जारी किया गया। डिप्टी कलेक्टर (सीएम हेल्पलाइन नोडल) को सभी विभागों के समन्वय से प्रकरणों का शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने को कहा गया।

शिक्षा व्यवस्था पर विशेष जोर

सर्वशिक्षा अभियान के तहत छात्रवृत्ति समय पर वितरित करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने ग्राम खुरपार (विकासखंड डिंडौरी) के जर्जर स्कूल भवन को लेकर गंभीरता दिखाते हुए तत्काल निरीक्षण कर छात्रों को वैकल्पिक भवन में शिफ्ट करने के निर्देश दिए। जिले की सभी जर्जर शालाओं की सूची तैयार कर खराब भवन गिराने और मरम्मत योग्य भवनों के लिए बजट प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए गए।

स्वास्थ्य व आपदा राहत व्यवस्था पर भी निगरानी

सर्पदंश से बचाव हेतु सभी एसडीएम और सीईओ को गांव-गांव बैनर, मुनादी और दीवार लेखन के माध्यम से जानकारी देने तथा डॉक्टरों व स्वास्थ्य कर्मियों के मोबाइल नंबर सार्वजनिक करने के निर्देश दिए गए।

राजस्व वसूली और किसान पंजीयन पर भी जोर

फार्मर रजिस्ट्री और राजस्व वसूली में तेजी लाने के निर्देश तहसीलदारों और एसडीएम को दिए गए। साथ ही आपदा राहत के प्रकरणों को समय पर तैयार कर पीड़ितों को **राहत राशि शीघ्र उपलब्ध कराने के निर्देश** भी दिए गए। लापरवाही पर संबंधित कर्मियों पर कार्यवाही की चेतावनी दी गई।

मनरेगा भुगतान में पारदर्शिता के निर्देश

ग्राम पंचायत स्तर पर लंबित मनरेगा भुगतान को प्राथमिकता से निपटाने और समय पर मजदूरी भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

अवैध गतिविधियों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश

कलेक्टर ने जिले के सभी प्रमुख मार्गों पर समय-समय पर परिवहन जांच और अवैध शराब व मादक पदार्थों के विरुद्ध छापामार कार्रवाई जारी रखने को कहा। नगर परिषद डिंडौरी व शहपुरा के सीएमओ को समग्र आईडी, ई-केवाईसी और अन्य प्राथमिक कार्य शीघ्र पूर्ण करने को कहा गया। बैठक में एसडीएम ऐश्वर्य वर्मा (शहपुरा), भारती मेरावी (डिंडौरी), रामबाबू देवांगन (बजाग), डिप्टी कलेक्टर वैद्यनाथ वासनिक, डीएसपी पुलिस सहित अन्य विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

शासकीय धन का दुरुपयोग: नींव रखे बिना ही निकाली गई आंगनबाड़ी केंद्र की राशि

जनपद पंचायत बजाग की ग्राम पंचायत परसवाह में वित्तीय अनियमितता का मामला उजागर

डिंडौरी।

जनपद पंचायत बजाग अंतर्गत ग्राम पंचायत परसवाह में शासन की योजनाओं और शासकीय राशि के खुलेआम दुरुपयोग का गंभीर मामला सामने आया है। आंगनबाड़ी भवन की नींव रखे बिना ही राशि आहरित कर ली गई, और आज तक उस पर कोई कार्य आरंभ नहीं हुआ। प्राप्त जानकारी के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2022 में ग्राम पंचायत परसवाह के पुछ्छाटोला में एक आंगनबाड़ी केंद्र निर्माण के लिए प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई थी। भवन के निर्माण हेतु 11 लाख रुपये की राशि** स्वीकृत की गई थी। आश्चर्य की बात यह है कि **तीन वर्ष बीत जाने के बाद भी भवन की नींव तक नहीं रखी गई है।

विशेष रूप से उल्लेखनीय यह है कि जनवरी 2025 में ग्राम पंचायत के सरपंच और सचिव द्वारा 3.5 लाख रुपये की राशि आंगनबाड़ी निर्माण के नाम पर आहरित की गई, किंतु भौतिक रूप से स्थल पर एक ईंट तक नहीं लगाई गई। यह धनराशि कहां और कैसे खर्च हुई, इस पर कोई स्पष्ट जवाब नहीं मिल रहा है। स्थानीय ग्रामीणों और सामाजिक कार्यकर्ताओं का आरोप है कि यह राशि निजी हित में उपयोग कर ली गई है।

विभागीय अधिकारियों की निष्क्रियता पर भी सवाल

आश्चर्यजनक यह है कि एकीकृत बाल विकास परियोजना द्वारा ग्राम पंचायत को आंगनबाड़ी भवन निर्माण के लिए कई बार पत्राचार किया गया, किंतु न पंचायत ने गंभीरता दिखाई और न ही विभागीय अधिकारियों ने कार्रवाई की।

वर्तमान में बच्चे अब भी किराए के जर्जर भवनों में पढ़ने को मजबूर हैं, जहां न तो पर्याप्त सुविधाएं हैं और न ही बच्चों के लिए सुरक्षित वातावरण।

ग्राम पंचायत में सरपंच और सचिव की कार्यशैली को लेकर ग्रामीणों में रोष व्याप्त है। स्थानीय जनप्रतिनिधियों के गैर-जिम्मेदार रवैये और प्रशासन की चुप्पी से भ्रष्टाचारियों के हौसले और बुलंद होते जा रहे हैं।

सवालों से बचते अधिकारी

जब इस संबंध में जनपद और जिला स्तर के अधिकारियों से बात करने का प्रयास किया गया तो कोई संतोषजनक उत्तर नहीं मिला। किसी भी स्तर पर जवाबदेही तय नहीं की जा रही जिससे शासन की योजनाओं पर पानी फिरता नजर आ रहा है। इस मामले ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि आखिर कब तक ग्रामीण क्षेत्रों में बच्चों की मूलभूत जरूरतों से जुड़ी योजनाओं में इस तरह की लापरवाही होती रहेगी? क्या शासन-प्रशासन इस गम्भीर वित्तीय अनियमितता पर चुप्पी साधे रहेगा, या दोषियों पर ठोस कार्रवाई होगी?

हरिभूमि
नर्मदा भूमि
[करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल]

जबलपुर, मंगलवार 29 जुलाई 2025

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

साहू समाज ने पौधारोपण कर मनाया हरियाली महोत्सव

गोटेगांव। विगत दिवस हरियाली अमावस्या के उपलक्ष में साहू समाज उत्थान मंडल एवं बीसी के सदस्यों व महिला मंडल द्वारा पौधा रोपण कर हरियाली अमावस्या महोत्सव मनाया, अयोजन नगर स्थित सिद्धेश्वर कॉलोनी में विराजमान श्री सिद्धेश्वर महाराज की पूजन अर्चन कर मां कर्मा देवीजी की आरती करने के उपरांत उपस्थित महिला मंडल द्वारा पहनकर आई हरी साड़ी उत्साह के साथ वेल, अशोक, जामुन, पारिजात एवं विभिन्न प्रकार के पौधारोपित कर स्वल्पाहार में भजिया एवं गुलगुलों का आनंद उठाया इस अवसर पर रूपवती साहू रचना साहू आशा साहू श्वेता साहू मधु साहू लता साहू साधना साहू नीतू साहू अनसूया साहू अदिति साहू भगवानदास बीडी साहू गुलाब साहू भोला साहू गोलू साहू शिवशंकर साहू शिवम साहू ओम प्रकाश साहू प्रदीप साहू संजय साहू हरीश साहू दुलीचंद साहू पवन साहू घनश्याम साहू आशीष साहू सहित नन्हे मुन्ने बच्चों की उपस्थिति सराहनीय रही।

कृष्ण कुमार सोनी का निधन

गोटेगांव। विगत दिवस नगर के प्रतिष्ठित नागरिक समाजसेवी नर्मदा मंदिर के पास ठाकुर बाबा वार्ड निवासी भगतराम चौराहा स्थित शुभम-बर्तन भंडार के संचालक शुभम-सोनी के पूज्य पिता श्री कृष्ण कुमार सोनी का 65 वर्ष की आयु में अचानक हृदयगति रुक जाने के कारण आकस्मिक निधन हो गया, आप सहज सरल मिलनसार व्यक्तित्व के धनी थे,आपके निधन का समाचार प्राप्त होतेही परिवारजनों व शुभचिंतकों में गहरा शोक व्याप्त हो गया,अंतिम संस्कार शव यात्रा में सभी वर्ग समुदाय के लोगों सहित विभिन्न राजनैतिक सामाजिक स्वयंसेवी संगठनों के जनप्रतिनिधियों ने मुक्ति धाम में बड़ी संख्या में शामिल होकर दाह संस्कार करने के उपरांत उपस्थित जनों ने श्री सोनीजी की दिवंगत आत्मा की शांति हेतु अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित कर शोक संतृप्त परिवार जनों के प्रति शोक संवेदना व्यक्तकरशोकाकुल परिवार जनों को इस गहन दुख सहन करने हेतु परम पिता परमात्मा से प्रार्थना की

पर्यावरण संरक्षण को लेकर विविध प्रतियोगिताएं आयोजित

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर में कॅरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ उच्च शिक्षा भोपाल के अनुसार दिनांक 28-07-2025 को वनस्पति शास्त्र विभाग में विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस के उपलक्ष्य में चित्रकला, स्लोगन तथा निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। उक्त प्रतियोगिताओं में कुल 15 विद्यार्थियों ने सहभागिता की। जिसमें स्लोगन प्रतियोगिता में गरिमा पाण्डेय ने प्रथम एवं आयुषी पटेल ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। चित्रकला प्रतियोगिता में आदित्य कोरी ने प्रथम, भूमिका तिवारी ने द्वितीय एवं सचिन गौड़ ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। निबंध लेखन प्रतियोगिता में गरिमा पाण्डेय ने प्रथम, शिवांगी गुप्ता ने द्वितीय एवं हर्षिता कुशवाहा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर.बी. सिंह के मार्गदर्शन एवं श्रीमती शोभा मिश्रा, श्रीमती रिचा नेमा, श्रीमती भारती लोधी के निर्देशन में संपन्न कराया।

मौसमी बीमारियों से बचाव हेतु चलाएं जन जागरूकता अभियान

कलेक्टर ने ली विभागीय कार्यों की समीक्षा

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय सीमा की बैठक में आयोग के द्वारा प्राप्त शिकायतों और समय सीमा पत्रकों की समीक्षा की। उन्होंने आयोग और समय सीमा पत्रकों की शिकायतों का निराकरण गुणवत्तापूर्वक करने के निर्देश दिए। हितग्राहियों को मुख्यमंत्री सहायता कोष से सहायता राशि दिलाने तथा कब्जाधारियों से भूमि अतिक्रमण हटाकर भू- मालिकों को दिलाने को कहा। कलेक्टर श्रीमती पटले सोमवार को समय सीमा की बैठक में विभागीय कार्यों की समीक्षा की। कलेक्टर श्रीमती पटले ने आयोजित बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना प्लस की समीक्षा की। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना प्लस के निर्माण कार्यों को गुणवत्तापूर्वक निर्धारित समय अवधि में पूर्ण करने के निर्देश दिए। हितग्राहियों के निर्माण कार्यों का मूल्यांकन कर उन्हें किश्त अनुसार राशि जारी करने को कहा। उन्होंने इसी प्रकार से पीएम जनमन आवास योजना और नगरीय निकाय में संचालित प्रधानमंत्री आवास योजना के निर्माण कार्यों के प्रगति की समीक्षा की। कलेक्टर श्रीमती पटले ने जिला परिवहन अधिकारी को स्कूली वाहनों सहित अन्य वाहनों का परीक्षण करने कहा।

राहवीर योजना की करें मॉनिटरिंग

कलेक्टर श्रीमती पटले ने आयोजित बैठक में राहवीर योजना तथा हिट एंड रन मोटरयान दुर्घटना, पीड़ति प्रतिकार योजना 2022 की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटना से पीड़ति व्यक्ति की मदद करने वाले व्यक्ति को राहवीर योजना से 25 हजार रुपये की सहायता राशि से लाभांवित करें तथा घायल व्यक्तियों का उचित उपचार किया जाए। उन्होंने राहवीर योजना की नियमित रूप से मॉनीटरिंग कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने तथा राहवीर योजना के प्रकरणों का निपटारा समय सीमा में करने के निर्देश दिए। आयोजित बैठक में उद्यानिकी विभाग, गन्ना गिरदावरी के संबंध में भी समीक्षा की गई तथा गन्ना गिरदावरी से किसानों को लाभांवित करने को कहा। उन्होंने इसी प्रकार से स्वास्थ्य विभाग के अमले को निर्देशित किया कि मौसमी बीमारियों से बचाव हेतु दवाईयों का छिड़काव तथा जनजागरूकता अभियान चलाएं, जिससे लोगों को मौसमी बीमारियों के बचाव के संबंध में जानकारी प्राप्त हो सके। स्वास्थ्य विभाग द्वारा सिकल सेल, एनीमिया, डेंगू निरोधक अभियान सहित दवाईयों का छिड़काव, डोर टू डोर सम्पर्क तथा पम्पलेट व पोस्टर के माध्यम से व्यापक प्रचार- प्रसार करने को कहा।

शिक्षक अवकाश हेतु करे आनलाइन आवेदन

बैठक में खेल एवं युवा कल्याण विभाग की भी समीक्षा की। उन्होंने जिले में खेल संबंधी गतिविधियां नियमित रूप से संचालित करने के निर्देश दिए। इसके लिए स्पोटर्स क्लब में आने वालों से शुल्क निर्धारित करने को कहा। खेल परिसर में सुरक्षा और साफ- सफाई रखने के निर्देश दिए। बैठक में इसी प्रकार शिक्षा विभाग के कार्यों की भी समीक्षा की गई। स्कूलों में लायब्रेरी व्यवस्था, सामाग्री उपयोग की स्थिति तथा शिक्षकों की उपस्थिति के संबंध में जानकारी ली गई। उन्होंने कहा कि शिक्षकों के आकस्मिक अवकाशों के आवेदन पत्र ऑफलाइन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। शिक्षकों को अवकाश हेतु ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत करना होगा। आयोजित बैठक में संकल्प पोर्टल अंतर्गत बालिकाओं को सशस्त्र एवं पुलिस बल में शामिल होने हेतु सैनिक स्कूल की स्थिति की प्रगति के संबंध में जानकारी ली गई। उन्होंने विभागों की मांग अनुरूप भूमि आवंटन के प्रकरण का निपटारा तथा एमपी टॉस्क पोर्टल की स्थिति की भी समीक्षा की।

निर्माण कार्यो की समीक्षा

केन्द्रीय दिव्यांग छात्रवृत्ति योजना 2025- 26 की समीक्षा की। खनिज विभाग द्वारा बरसात के दौरान खनिज उत्खनन पर प्रतिबंध आदेश का विधिवत पालन कराने के निर्देश दिए। प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना तथा धरती आबा उत्कृष्ट ग्राम अभियान की समीक्षा की गई। कलेक्टर श्रीमती पटले ने आयोजित बैठक में वनाधिकार अधिनियम अंतर्गत सामुदायिक वनाधिकार दावों पर कार्रवाई कर उनका निपटारा करने के निर्देश दिए। आयोजित बैठक में आकांक्षा योजना एवं डॉ. भीमराव अम्बेडकर आर्थिक कल्याण योजना की समीक्षा की गई। उन्होंने शासकीय शालाओं में शौचालय मरम्मत की स्थिति, अतिरिक्त कक्ष निर्माण, शाला निर्माण तथा मरम्मत कार्यों की समीक्षा की। कलेक्टर श्रीमती पटले के द्वारा आयोजित बैठक में महिला एवं बाल विकास विभाग की सम्प्रेषण गृह, किशोर न्याय समिति, सह गोदाम निर्माण, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, आंगनबाड़ी भवनों को सर्वसुविधायुक्त बनाने, सुरक्षित भवनों में आंगनबाड़ी केन्द्रों को संचालित करना, स्वसहायता समूह को प्रदान किए गए खाद्यान्न का उठाव करना तथा आंगनबाड़ी केन्द्रों के माध्यम से हितग्राहियों को लाभांवित करने के संबंध में समीक्षा की गई।

भक्तिमय रूप से मनाया गया हरियाली तीज महोत्सव

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। सर्व ब्राह्मण महिला एकता परिषद एवं राष्ट्रीय महिला जागृति मंच द्वारा हरियाली तीज महोत्सव राधा कृष्ण थीम के साथ भव्य रूप में धूमधाम एवं भक्तिमय वातावरण मे मनाया गया। दोनों संगठन के संयुक्त तत्वाधान में सरस होटल को वृंदावन की तरह सजाया गया। महिला जागृति मंच की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्रीमती विवेक पांडे, प्रदेश अध्यक्ष अरुणा दुबे एवं प्रदेश उपाध्यक्ष सुनंदा भट्ट के सानिध्य में राजमार्ग देवी से पधारे अतिथि शुभा शुक्ला, अनुपमा डाबरिया, निशा शर्मा, आरती व्यास, गाडरवारा से पधारी रिचा स्थापक की उपस्थिति में धूमधाम से हरियाली तीज का उत्सव मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत शिव पार्वती एवं राधा कृष्ण की पूजन की साथ ही कुंज बिहारी की आरती शालिनी दुबे एवं पूर्णिमा शुक्ला द्वारा गाई गई। राधा कृष्ण बनकर आए हुए सभी प्रतिभागियों की आरती राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं प्रदेश अध्यक्ष के

द्वारा उतारी गई। कार्यक्रम का संचालन उपाध्यक्ष नीरा बुधौलिया एवं सचिव नंदिता चैबे द्वारा किया गया। समस्त प्रतिभागियों ने राधा कृष्ण के भजनों पर अपनी प्रस्तुति दी राजमार्ग देवरी एवं गाडरवारा से आए हुए अतिथियों द्वारा प्रतिभागियों का अवलोकन उनका चुनाव किया। कार्यक्रम में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली जोड़ियां कृष्ण रूप में चाहत पाठक, राधा रूप में प्रियंका पाठक एवं कृष्ण रूप में रक्षा पालीवाल ,राधा रूप में मोनिका तिवारी रहीं, द्वितीय स्थान कृष्ण रूप में रजनी राजोरिया, राधा रूप में सविता महोबिया रहीं, तृतीय स्थान कृष्ण रूप में दीपशिखा तिवारी, राधा रूप में रुक्मणी ढिमोले रहीं व स्पेशल पुरस्कार कृष्ण रूप में सपना शर्मा, राधा रूप में अरुणा दुबे को एवं सांत्वना पुरस्कार कीर्ति पालीवाल, प्रीति गोस्वामी, प्रियंका गोस्वामी, हर्षिता वर्मा, रेणु नौरिया, सोनाली राय को गया। कार्यक्रम में राधा कृष्ण के भजन पर विशेष नृत्य प्रस्तुति नंदिता चैबे, शुभावन पांडे एवं योगिता चैबे द्वारा दी गई। तीज के उपलक्ष में संस्थाओं द्वारा आई हुई आमंत्रित सभी बहनों को उपहार दिया गया। कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित जिला संरक्षक मालती त्रिवेदी, सरला पांडे, उर्मिला भाटली, सरला पांडे, शेफाली शर्मा बहनें रहीं। कार्यक्रम के अंत में आभार सचिव नंदिता चौबे द्वारा किया गया।

वैलनेस प्रोफाइलिंग स्क्रीनिंग के तहत कैम्प का आयोजन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस इंटरनेशनल नेचुरोपैथी आर्गेनाइजेशन के अंतर्गत वैदिक योग संस्थान द्वारा वैलनेस प्रोफाइलिंग स्क्रीनिंग फिट इंडिया मिशन के तहत निःशुल्क कैम्प का आयोजन किया गया। कैम्प के आयोजक श्रीमती रश्मि जैन मनोज जैन द्वारा आम लोगों स्वस्थ और सक्रिय जीवन शैली के विषय में जानकारी दी। श्रीमती रश्मि जैन ने बताया कि एक व्यक्ति का वेट कैसा होना चाहिए, श्रीमती जैन ने बताया की हाइट के हिसाब से उसका वेट होना चाहिए, फेट, बी एम आई, बी एम आर, ट्रंक फेट, विसिरल फेट, मासपेशीयाँ, की मशीन द्वारा जाँच कर रिपोर्ट प्रदान की। इस अवसर पर वैदिक योग संस्थान व इंटरनेशनल नेचुरोपैथी आर्गेनाइजेशन के जिला सचिव, संभाग प्रभारी देवेन्द्र पटेल ने योग के विषय में जानकारी दी।

तालाब किनारे कचरे के ढेर में मिला नवजात शिशु

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। विगत दिवस थाना क्षेत्र करेली के ग्राम सासबहू में तालाब के किनारे लगे कचरे के ढेर मे नवजात शिशु पड़ा मिला। जिसे सूचना ग्राम कोटवार द्वारा पुलिस को दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई शुरू की पुलिस ने बताया कि शिशु मृत अवस्था मे मिला था शव को कब्जे मे लेकर मर्ग पंचनामा तैयार परीक्षण के लिए भेज दिया गया। प्रारंभिक जांच में बताया गया कि शव तकरीबन 7 घंटे पुराना है। वही शिशु के गले पर चोट के निशान भी हैं। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि यह चोटें किस कारण से लगी हैं। नवजात की मौत की वजह पर पता नहीं चल पाई। हत्या का मामला है या किसी अन्य कारण से मृत्यु के बाद शव को यहां फेंका गया, यह अभी जांच का विषय है। घटना की खबर मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए। पुलिस ने मौके पर मौजूद लोगों से पूछताछ शुरू कर दी है। आसपास के क्षेत्र में भी जानकारी जुटाने का प्रयास किया जा रहा है।

हनुमान मंदिर रामायण पाठ सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। स्थानीय गुदरी बाजार स्थित श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर में सावन मास के पावन अवसर पर रामायण पाठ का आयोजन किया गया। जहां पर श्रद्धालुओं द्वारा मानस पाठ कर धर्म लाभ अर्जित किया। पाठ समापन के उपरांत प्रसादी वितरण किया गया।

भक्ति योग के साथ हुआ महाशिवसभिषेक

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। काया योग एंड जुंबा फिटनेस सेंटर में श्रावण मास पर मातृ शक्तियों द्वारा महाशिवसभिषेक किया गया। यह समारोह श्रावण मास के दौरान आयोजित किया गया, जो भगवान शिव का सबसे प्रिय महीना माना जाता है। इस समारोह में मातृ शक्तियों ने भक्ति योग के माध्यम से अपने आप को भगवान शिव के प्रति समर्पित किया और शिव अभिषेक किया। महाशिवसभिषेक भगवान शिव की पूजा-अर्चना का एक महत्वपूर्ण तरीका है। यह योग व्यक्ति को भगवान के साथ जुड़ने और अपने आप को भगवान के प्रति समर्पित करने में मदद शिव अभिषेक भगवान शिव की पूजा-अर्चना का एक महत्वपूर्ण तरीका है। समारोह के दौरान भक्ति योग के माध्यम से अपने आप को भगवान शिव के प्रति समर्पित किया। शिव अभिषेक भगवान शिव को पवित्र जल, दूध, और अन्य पवित्र पदार्थों से अभिषेक किया गया। भजन और कीर्तन समारोह के दौरान भजन, पवित्र अग्नि में सुगंधित सामग्रियां अर्पित कर महादेव व अन्य देवी-देवताओं को आहुतियां दी गई।

शिशु, किशोर, कन्या भारती पदाधिकारियों को दिलाई शपथ

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस विद्यार्थियों में दायित्व बोध नेतृत्व क्षमता एवं रचनात्मक क्रिया क्लापों में शामिल करने के उद्धेश्य से सरस्वती शिशु उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में शिशु, किशोर, कन्या भारती का गठन किया गया। संस्था प्राचार्य आनंद मोहन कुर्मी द्वारा दायित्ववान शिशु किशोर, कन्या भारती पदाधिकारियों को पूर्ण ईमानदारी व निष्ठा के साथ अपना दायित्व निवर्हन करने के लिए पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। शिशु भारती प्रमुख श्रीमती संगीता नामदेव किशोर कन्या भारती प्रमुख खगेश स्वामी नरेन्द्र सिंह राजपूत, श्रीमती ज्योति जोशी, श्रीमती सोमजया मिश्रा, श्रीमती हेमलता पटैल के मार्गदर्शन में शिशु भारती अध्यक्ष निशांत मेहरा उपाध्यक्ष महेश कुमार काछी सचिव माहेरू कुजड़ा सहसचिव मयंक वंशकार कोषाध्यक्ष गौरी गोस्वामी सेनापति आहिल वहना उपसेनापति पर्व लोधी किशोर भारती अध्यक्ष सुधांशु अग्रवाल उपाध्यक्ष दिव्यांश राजपूत सचिव मयंक विश्वकर्मा सह सचिव कौशलेश ठाकुर कोषाध्यक्ष जतिन प्रजापति सेनापति ओमप्रकाश कहार कन्या भारती अध्यक्ष प्राची पटैल उपाध्यक्ष कुसुम सेन सचिव प्रख्याती राजपूत सहसचिव शुभांगी गुप्ता कोषाध्यक्ष कंचन मेहरा अनुशासन प्रमुख अनुष्का परमार सांस्कृतिक प्रमुख गरिमा प्रजापति प्रार्थना प्रमुख वैशाली पटैल, अंबिका यादव चिकित्सा प्रमुख निशा लोधी सहायक मानवी सेन का मनोनयन किया गया।

चौरसिया दिवस नागपंचमी आज

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। आज संपूर्ण जिले मे नाग पंचमी मनाई जावेगी। चौरसिया समाज द्वारा बताया गया कि 29 जुलाई को शगुन मैरिज गार्डन में प्रातः 9 बजे से शिवजी का अभिषेक पूजन अर्चना होगा वाहन रैली शगुन मैरिज गार्डन से बाहरी रोड होते हुए स्टेशन होते हुए मेन रोड से शगुन गार्डन वापस आयेगी दिवंगत सामाजिक बंधुओं को श्रद्धांजलि कार्यक्रम और महिला मंडल द्वारा प्रतिभाशाली छात्राओं का सम्मान और सांस्कृतिक कार्यक्रम व प्रसादी भंडारा का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर चौरसिया समाज की सभी प्रतिष्ठान पूर्ण रूप से बंद रहेंगे।

श्रावण मास के तीसरे सोमवार को जगह जगह हुये शिव अभिषेक

तेंदूखेड़ा। भगवान भोलेनाथ की आराधना का पावन पुनीत मास श्रावण मास के तीसरे सोमवार को जगह-जगह भगवान भोलेनाथ के अभिषेक पूजन अर्चन किये गये। शिवालयों में सुबह से ही अच्छी खासी भीड़ देखने को मिली। महिलाओं द्वारा भजन कीर्तन किया गया। वहीं जगह जगह अखंड रामायण पाठों का आयोजन किया गया है। रात्रि के समय श्री राम रसिया भक्त मंडल के द्वारा संगीतमय सुंदरकांड पाठ की श्रंखला चलाई जा रही है जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित हो रहे हैं।नगर में धार्मिक वातावरण देखने को मिल रहा है।

निकाली गई विशाल कांवर यात्राएं

श्रावण मास के तीसरे सोमवार को जगह जगह से कांवर यात्राएं निकाली गई। पुण्य सलिला मां नर्मदा के पावन तट ककरा घाट से विशाल कांवर यात्राएं निकाली गई।इस मौके पर मां नर्मदा के कृपा पात्र अवधूत दादा गुरु जी की उपस्थिति में आर्यावर्त सांस्कृतिक सामाजिक संस्था के द्वारा ककरा घाट से शिव मंदिर गाडरवारा तक विशाल कांवर यात्रा निकाली गई जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। यात्रा का जगह जगह जोरदार स्वागत हुआ।

जो छूटता है, वही संवरता है जो घर छोड़ता है, वही धर्म का घर बनता है- सदानंदजी

गोटेगांव। समीप परमहंसी गंगा आश्रम आयोजित चातुर्मास कथा श्रृंखला में पूज्य महाराज श्री ने अपने प्रवचनों में बताया राम का पहली बार गृह त्याग जब बालक ने ब्रह्म की भूमिका स्वीकार की,यह कोई वनगमन नहीं था यह बालक का आत्मसमर्पण था i जगद्गुरु पूज्य शंकराचार्य स्वामी श्री सदानंद सरस्वती जी महाराज ने कहा राम का विश्वामित्रके साथ गमन केवल यज्ञ रक्षा का प्रस्थान नहीं था, यह राम के भीतर ब्रह्म तत्व की पहली जागृति थी।यह पहला क्षण था जब राजमहल के लाड़-प्यार से निकलकर राम ने ब्रह्म-मार्ग स्वीकारा।

विश्वामित्र केवल ऋषि नहीं, आत्मज्ञान के द्वार हैं

विश्वामित्र एक ऋषि नहीं, बल्कि एक परीक्षा हैं, वे ब्रह्मा की भूमिका निभा रहे हैं, जो जीव को घर से निकालकर उसे तप और धर्म की आग में तपाते हैं। यह वही क्षण था जब राम, दशरथ के पुत्र नहीं रहे, वे सनातन धर्म के सेनापति बन रहे थे।

दशरथ केवल पिता नहीं, द्वंद्व का प्रतीक

राजा दशरथ के मन का द्वंद्व केवल एक पिता की पीड़ा नहीं थी। वह पुराने समय और नए समय, मोह और मर्यादा, ममता और प्रतिज्ञा के बीच चल

रही अंतर्युद्ध थी। राम देत नहिं बनइ गोसाईं यह केवल दशरथ की ममता नहीं, यह हर उस व्यक्ति की पुकार है जो जीवन में त्याग और धर्म के क्षण में उलझ जाता है।

राम का मौन भीतर की सहमति

पूज्य महाराजश्री ने कहा राम ने कुछ नहीं कहा। न रोए, न हँसे। बस एक शांत मौन से चल पड़े। वह मौन ही ब्रह्म की स्वीकृति थी। जब कोई बालक बिना प्रतिकार के गुरु के साथ निकल पड़े समझो उसका चित्त तप के लिए तैयार हो गया है। इस यात्रा में जीवात्मा (राम), विवेक लक्ष्मण के साथ जब गुरु विश्वामित्र की छाया में मोह दशरथ को छोड़ता है तभी जीवन यज्ञ रक्षा (धर्म) योग्य बनता है।

प्रवचन का सार

जो छूटता है, वही संवरता है जो घर छोड़ता है, वही धर्म का घर बनता है। जो पुत्र को त्यागता है, वही पिता कहलाता है। जो गुरुकुल को अपना ले, वही जगतगुरु बनता है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से शंकराचार्य जी महाराज की निजी सचिव ब्रह्मचारी सुबुद्धानंद जी महाराज दडी सन्यासियों ब्रह्मचारियों की उपस्थिति रही साथ ही सैकड़ो की संख्या में श्रद्धालु बंधु उपस्थित थे i

मुख्य सड़क मार्गों पर निराश्रित मवेशियों की जमावड़ा

तेंदूखेड़ा। इन दिनों तेंदूखेड़ा क्षेत्र में आवारा मवेशियों की समस्याएं फिर सामने आने लगी है।वर्ष भर इन मवेशियों को गुपचुप तरीके से कत्ल खाने चले जाने के साथ सैकड़ों मवेशी बाहन दुर्घटना में असमय काल के गाल में समा जाने के उपरांत वरसात के दिनों में पशुपालकों द्वारा बांधने छोड़ने और चारे भूसा की समस्या के चलते तेंदूखेड़ा तरफ छोड़कर चले जाते हैं। बहुत मवेशियों की सेहत अच्छी देख कुछ मौकापरस्त लोग जो ऐसे आवारा मवेशियों को देख आस पास के मवेशी बाजार में जाकर बेंच देते हैं।या कुछ मवेशी जंगली क्षेत्रों में भाग जाते हैं।तो कुछ मवेशी बड़े समूह झुंडों को देख स्वयं शामिल हो जाते हैं। तेंदूखेड़ा क्षेत्र में आज यही स्थिति बनीं हुई है कि बड़ी संख्या में मवेशियों के झुंड एन एच 45 जबलपुर भोपाल सड़क मार्ग के साथ गाडरवारा तेंदूखेड़ा सड़क मार्ग तथा नगर के विभिन्न हिस्सों में खड़े बैठे देखे जा सकते हैं। स्तिथि यह बनीं हुई है कि आये दिन बड़ी संख्या में मवेशी सड़क दुर्घटनाओं में काल के गाल में समाते चले जा रहे हैं। यही मवेशी खेतों में खड़ी फसलों को अपना निवाला बनायेंगे।कृषक भी परेशान होंगे।इन सभी समस्याओं से

निजात दिलाने की दिशा में तेंदूखेड़ा के समीप ऊमरपानी ग्राम पंचायत के अंतर्गत आने वाली दाने बाबा की पहाड़ी या मर्रावन ग्राम पंचायत के अंतर्गत उपयुक्त स्थान साबित हो सकता है। जहां चारे पानी की व्यवस्था के साथ हजारों मवेशियों को सुविधाओं के साथ पनाह स्थली बनाई जा सकती है।पूर्व में भी इस तरह की जानकारी ज्ञापनों के माध्यम से जवाबदार पक्षों को भी दी गई थी। लेकिन यह विषय नक्कारखाने में तूती की आवाज बनकर रह गई।

शोपीस बनकर रह गई गौ शालायें शासन के द्वारा जिस उद्देश्य को लेकर उक्त गौ शालाओं का गांव गांव निर्माण कराया गया था वह अपने उद्देश्य से भटककर केवल शोपीस बनकर रह गई है। इन गौ शालाओं की आड़ में कुछ पंचायतें केवल अपनी उदर पूर्ति का जरिया मान बैठी है तो कुछ संचालन करने वाले समूह अपनी बपौती समझ बैठे है।जिस क्षमता से इन गौ शालाओं को बनाया गया है उनमें चारे भूसा पानी का बहाना बनाकर केवल स्वयं के मवेशी बांधे छोड़े जा रहे हैं वाकी सब सड़कों पर आवारा मवेशी के रूप में दिखाई दे रहे हैं।केवल गौ माता का दिखावा करने वालों की ही इच्छा शक्ति की बजह से ही आज गौ माता यहां वहां भटक रही है।केवल एक गौ शाला निर्माण की राशि मात्र ही यदि यहां खर्च हो जाती तो एक अभ्यारण्य शुरू हो सकता है। छाया के लिए चार पांच बड़े शेड पानी को अलग-अलग टांक और तार बाड़ी से ही बहुत कुछ काम बन जाएगा। तेंदूखेड़ा और आस पास के जितने भी आवारा मवेशी यहां वहां विचरण किया करते हैं।वे सभी यहां पर छोड़े जा सकते हैं।केवल कसाईयों और उनको संरक्षण देने वाले दानवों से बचाव करने भर निगरानी की जरूरत होगी।